mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-78 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

22 मार्च 2025 शनिवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

आईपीएल के लिए... @ पेज 7

कर्नाटक विधानसभा से बीजेपी के 18 विधायक 6 महीने के लिए निलंबित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा से बीजेपी के 18 विधायकों को निलंबित कर दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने शुक्रवार को हनी ट्रैप मामलों के मुद्दे पर हंगामा करने और सदन की कार्यवाही बाधित

● हनी ट्रैप मामले की जांच हाई कोर्ट के जज से कराने की मांग

करने के लिए बीजेपी के 18 विधायकों को विधानसभा से 6 महीने के लिए निलंबित किया है।

विपक्षी नेताओं ने कर्नाटक सरकार के एक मंत्री और अन्य राजनेताओं से जुड़े कथित हनी-ट्रैप मामले की न्यायिक जांच हाई कोर्ट के वर्तमान न्यायाधीश से कराने की मांग की थी। शुक्रवार को बीजेपी विधायकों ने सदन के वेल के सामने आकर कागज फाड़कर हंगामा खड़ा कर दिया।

वहीं, आज विधानसभा की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए 18 बीजेपी विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित करने का विधेयक पारित किया गया है। विधेयक को कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने पेश किया।

कर्नाटक में हाल ही में एक हाई-प्रोफाइल हनी ट्रैप मामला सुर्खियों में आया है, जिसने राय की सियासत को हिलाकर रख दिया है। यह मामला तब सामने आया जब कर्नाटक के सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने विधानसभा में खुलासा किया कि न केवल वह खुद हनी ट्रैप का शिकार होने से बचे, बल्कि राय के 48 अन्य नेताओं, विधायकों और यहां तक कि केंद्रीय नेताओं के भी इस तरह के जाल में फंसने की बात सामने आई है। इस दावे ने सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी बीजेपी दोनों को एक बड़े विवाद में उलझा दिया है।

20 मार्च 2025 को कर्नाटक विधानसभा में बजट सत्र के दौरान बीजेपी विधायक बसनगौड़ा पाटिल यत्नाल ने सबसे पहले इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राय में हनी ट्रैप की घटनाएं बढ़ रही हैं।सहकारिता मंत्री राजन्ना को भी निशाना बनाया गया। इसके जवाब में राजन्ना ने स्वीकार किया कि उनके खिलाफ हनी ट्रैप की कोशिश हुई थी और यह समस्या केवल उन तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, कर्नाटक पेन ड्राइव और सीडी का कारखाना बन गया है। मेरे पास जानकारी है कि 48 लोग, जिनमें विधायक, केंद्रीय नेता और यहां तक कि जज भी शामिल हैं, इस जाल में फंस चुके हैं।

इसके बाद राय के लोक निर्माण विभाग मंत्री सतीश जारकीहोली ने भी मामले की गंभीरता को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, यह सच है कि एक मंत्री को हनी ट्रैप में फंसाने की कोशिश हुई थी। यह दो बार हुआ। हालांकि, दोनों बार यह प्रयास असफल रहा। कर्नाटक में हनी ट्रैप कोई नई बात नहीं है, यह पिछले 20 सालों से चल रहा है। कुछ लोग इसे राजनीति में निवेश के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री ने भारत-पाक संबंधों को लेकर दिया बड़ा बयान

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के रिश्ते मौजूदा वक्त में युद्ध के समय को छोड़कर इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में अचानक सकारात्मक बदलाव भी आ सकते हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ पीस एंड कनेक्टिविटी (आईपीएसी) की ओर से लाहौर में 'पाकिस्तान-भारत संबंध- वर्तमान स्थिति और आगे की राह' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में कसूरी ने कहा कि

आपसी बातचीत ही दोनों देशों के लिए अपने लंबित मुद्दों को सुलझाने का एकमात्र जरिया है। कसूरी ने इस बात को रेखांकित किया कि उन्होंने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकारों के साथ शांति प्रक्रिया पर काम किया। उन्होंने कहा कि इसलिए उन्हें पूरा यकीन है कि मौजूदा निराशाजनक स्थिति के बावजूद भारत की अधिकांश जनता पाकिस्तान के साथ शांति चाहती है। कसूरी ने कहा कि चुनौतियों और मौजूदा टकराव के बावजूद उनके अनुभव ने उन्हें सिखाया है कि पाकिस्तान-भारत संबंधों में अचानक सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे करगिल युद्ध के सूत्रधार कहलाने वाले मुशर्रफ का बाद में नई दिल्ली में गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। कसूरी ने कहा कि इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में लाहौर में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मुलाकात करके सबको चौंका दिया था।

इंडोनेशिया में 3 भारतीयों को मिल सकती है मौत की सजा

सिंगापुर (एजेंसी)। इंडोनेशिया में मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में तीन भारतीय नागरिकों को मौत की सजा हो सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट में शुक्रवार को इस बारे में जानकारी दी गई है। आरोपियों पर सिंगापुर के झंडे वाले जहाज से 106 किलोग्राम 'क्रिस्टल मेथ' की तस्करी करने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि राजू मुथुकुमारन (38), सेल्वदुरई दिनाकरन (34) और गोविंदसामी विमलकंधन (45) को जुलाई 2024 में इंडोनेशिया के करीमुन जिले के पोंगकर जल क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था। तीनों तमिलनाडु के निवासी हैं और सिंगापुर के 'शिपिंग (जहाजरानी)' उद्योग में कार्यरत थे।

अधिकारियों के अनुसार, इंडोनेशियाई अधिकारियों ने गुप्त सूचना के आधार पर 'लेजेंड एक्वेरियस कार्गो' जहाज को रोका था। जांच में इस जहाज से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद हुआ था। अदालत में सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने कहा कि जहाज के कप्तान की गवाही आवश्यक है, लेकिन वह केवल वर्चुअल रूप से पेश हुए जिससे जिरह नहीं हो सकी। बचाव पक्ष के वकील ने दलील दी कि इतने बड़े पैमाने पर मादक पदार्थ तस्करी कप्तान की जानकारी के बिना संभव नहीं। अभियोजन पक्ष ने आरोपियों के लिए मौत की सजा की मांग की है। इंडोनेशियाई राष्ट्रीय नारकोटिक्स एजेंसी के प्रमुख मार्थिनस हुकॉम ने कहा कि तीनों भारतीय नागरिक ही मादक पदार्थों के मालिक हैं। इस मामले में फैसला 15 अप्रैल को आने की उम्मीद है।

गहरी खाई में मिला दिल्ली के युवक का शव, 5 दिन पहले दोस्तों को बिना बताए हुआ था गायब

उत्तराखंड (एजेंसी)। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जनपद के यमकेश्वर में घूमने आए दिल्ली के एक पर्यटक का शव पांच दिन बाद गहरी खाई में पड़ी एक क्षतिग्रस्त कार में मिला। पौड़ी के लक्ष्मणझूला पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक संतोष पैंथवाल ने को बताया कि 14 मार्च से लापता 26 वर्षीय विनायक बाली का शव काफी सड़ी-गली हालत में बुधवार को बरामद हुआ।

उन्होंने बताया कि 15 मार्च को दिल्ली के केशवपुरम की रहने वाली तिश्निका नवल ने लक्ष्मणझूला थाने में विनायक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। अपनी तहरीर में नवल ने बताया था कि दिल्ली में पश्चिम विहार में रहने वाला विनायक 13 मार्च को अपने मित्रों के साथ यमकेश्वर घूमने आया था और घटटू गाड़ में एक रिजॉर्ट में ठहरा था। तहरीर में बताया गया कि 14 मार्च को तड़के चार बजे विनायक बिना बताए कहीं चला गया जिसके बाद से उसका पता नहीं चल रहा है। दोस्तों ने बताया कि उसका फोन भी बंद आ रहा है। पैंथवाल ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने नीलकंठ क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों में विनायक की तलाश की लेकिन उसकी कार और उसका कहीं पता नहीं चला। उन्होंने बताया कि 19 मार्च को पुलिस ने ड्रोन की सहायता ली जिसमें एक कार घट्टू गाड़ और ऋषिकेश मोटर मार्ग के बीच पैंया गांव के समीप एक खाई में नजर आई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके बाद पुलिस और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने खाई में उतरकर कार तक पहुंच बनाई जहां उन्हें क्षतिग्रस्त कार में एक युवक का शव नजर आया। उन्होंने बताया कि परिजनों ने युवक की पहचान विनायक के रूप में की।

दिल्ली फायर सर्विस के चीफ का बयान

'दिल्ली हाईकोर्ट जज के घर आग बुझाने के दौरान कैश नहीं मिला'

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली फायर सर्विस के चीफ अतुल गर्ग ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के घर पर आग बुझाने के दौरान कोई कैश नहीं मिला। उन्होंने बताया कि 14 मार्च की रात 11 बजकर 35 मिनट पर कंट्रोल रूम को आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां रात 11.43 बजे मौके पर पहुंचीं।

दिल्ली फायर सर्विस के चीफ गर्ग ने बताया कि आग स्टेशनरी और घरेलू सामान से भरे स्टोर रूम में लगी थी। आग पर काबू पाने में 15 मिनट लगे। कोई हताहत नहीं हुआ। डीएफएस प्रमुख ने कहा, ÷आग बुझाने के तुरंत बाद हमने पुलिस को आग की घटना की सूचना दी। इसके बाद दमकल कर्मियों की एक टीम मौके से चली गई। हमारे दमकल कर्मियों को आग बुझाने के अभियान के दौरान कोई कैश नहीं मिला।

दिल्ली हाईकोर्ट के जज के आधिकारिक आवास से कथित रूप से कैश बरामद होने की खबरें मीडिया में आई थीं। ये बताया गया था कि आग बुझाने के दौरान यह कैश बरामद हुआ। हालांकि अब दिल्ली फायर के चीफ ने यह साफ कर दिया कि आग बुझाने के दौरान कोई कैश बरामद नहीं हुआ।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के जज से संबंधित घटना को लेकर गलत सूचना और अफवाहें फैलाई जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के बयान में कहा गया है कि संबंधित जज का इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर के प्रस्ताव स्वतंत्र है और आंतरिक जांच प्रक्रिया से अलग है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सूचना मिलने पर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने साक्ष्य और सूचना एकत्रित करने के लिए आंतरिक जांच प्रक्रिया शुरू की। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जिन्होंने 20 मार्च की कॉलेजियम की बैठक से पहले जांच शुरू कर दी थी, आज ही सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को एक रिपोर्ट सौंपेंगे। इस रिपोर्ट पर गौर करने के बाद, अदालत ''आगे और आवश्यक'' कार्रवाई के लिए आगे बढ़ेगी।

अरविंद केजरीवाल के घर पर हो रही बड़ी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल काफी कम दिखाई पड़े हैं। हाल ही में उन्होंने पंजाब का दौरा किया जहां उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। हालांकि, अब शुक्रवार को अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी की बड़ी बैठक करने जा रहे हैं। शुक्रवार को केजरीवाल के आवास पर आम आदमी पार्टी के पीएसी की बैठक हो रही है। इस बैठक में कई बड़े फैसले किए जा सकते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव हारने के बाद ये आम आदमी पार्टी की पहली पीएसी बैठक होने जा रही है। इस बैठक में आप के संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव का फैसला लिया जा सकता है। इसके साथ ही दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप को मिली हार का ठीकरा भी पार्टी के कुछ पदाधिकारियों पर फोड़ा जा सकता है। आम आदमी पार्टी की पीएसी की बैठक में विभिन्न राज्यों में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नेताओं को जिम्मेदारी भी दी जा सकती है। माना जा रहा है कि आप आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए गोपाल राय और दुर्गेश पाठक तो वहीं, पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को जिम्मेदारी दे सकती है।

जिस कैब से मुस्कान-साहिल हिमाचल गए थे उसके ड्राइवर ने किया बड़ा खुलासा

मेरठ मर्डर केस

मेरठ (एजेंसी)। पति सौरभ का मर्डर करने के बाद 4 मार्च की शाम 7 बजे मुस्कान और साहिल हिमाचल प्रदेश घूमने के लिए निकल पड़े। 4 मार्च की सुबह 10 बजे इन्होंने एक कैब बुक की थी। उसी दिन शाम को 7 बजे थाना ब्रह्मपुरी क्षेत्र स्थित काशी की डेरी से मुस्कान और साहिल हिमाचल प्रदेश के लिए रवाना हो गए। जिस कैब से हिमाचल घूमने गये थे, उस कैब के ड्राइवर अजब सिंह ने कई खुलासे किए हैं। अजब सिंह ने कहा कि उनका व्यवहार सामान्य था। दोनों टैक्सी में बहुत कम बातें करते थे।

साहिल रोज पीता था शराब: कैब ड्राइवर ने बताया कि चोटी वाला साहिल रोज नशे के लिए शराब की 1-2 बोलत कमरे में लेकर जाता था। टूर के दौरान उन्होंने मुस्कान को शराब पीते हुए नहीं देखा। जबकि उसने यूपी में मेरठ की सीमा के अंदर शामली से तीन बीयर खरीदी थी। इन बीयर को मुस्कान ने पिया, तब लगा कि वह भी नशे की आदी है।

नींद आने पर साहिल की गोद में सोती थी मुस्कान: कैब ड्राइवर ने बताया कि 10 दिन की बुकिंग थी। 4 मार्च में गये थे लेकिन 17 की शाम वापस लौटे। पूरे टूर में कैब के अंदर साहिल और मुस्कान कम बात करते थे। मुस्कान को जब नींद

आती थी तो वह साहिल की गोद में सिर रख लेती। मुस्कान ने फोन पर दो बार मम्मी कह कर बात की थी। कैब ड्राइवर को जरा भी आभास नहीं था कि इन दोनों ने सौरभ की हत्या को अंजाम दिया है। बता दें कि मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल ने मिलकर सौरभ की हत्या कर दी थी। इसके बाद उन्होंने शव को कई टुकड़ों में काट दिया और उसे ड्रम में बंद करके सीमेंट और रेत से सील कर दिया। इसके बाद दोनों हिमाचल प्रदेश चले गए। पुलिस ने शव बरामद कर 18 मार्च को दोनों को वापस आने पर गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली में रियल लाइफ के बंटी-बबली गिरफ्तार

फिल्म देखकर चोरी करने का मिला आईडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में रियल लाइफ के बंटी और बबली को गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों चोर बॉलीवुड फिल्म बंटी और बबली से प्रेरित थे और राहगीरों से मोबाइल छीनने जैसी तमाम घटनाओं को अंजाम देते थे। इस कपल को कृष्णा नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह जोड़ा अपनी ऐशो-आराम की जिंदगी जीने के लिए स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम दे रहा था। पूछताछ के दौरान दोनों ने कबूल किया कि वे बंटी और बबली फिल्म से प्रेरित होकर मोबाइल स्नैचिंग कर रहे थे ताकि वे ऐशो-आराम की जिंदगी जी सकें। उन्होंने 13 जनवरी 2025 को एक मोबाइल स्नैचिंग और 8 मार्च 2025 को एक अन्य वारदात को अंजाम दिया था। हालांकि, 8 मार्च वाली घटना की शिकायत पुलिस स्टेशन में दर्ज नहीं कराई गई थी।

आरोपियों की पहचान 24 साल के अमन और 23 साल की साक्षी के रूप में हुई है। अमन पूर्वी दिल्ली के हरिजन कैंप त्रिलोकपुरी का रहने वाला है और साक्षी संगम विहार, दिल्ली की रहने वाली है।

इससे पहले दिल्ली पुलिस ने 20 मार्च को बेगमपुर इलाके में हुई मुठभेड़ के दौरान तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी एक कार में सवार होकर आ रहे हैं, जिसके बाद पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिए जाल बिछाया। जब अपराधी पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन अपराधियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। दोनों तरफ से कई राउंड गोलियां चलीं, जिसमें दो अपराधी पैर में गोली लगने से घायल हो गए। कुल तीन अपराधी गिरफ्तार किए गए, जिन पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इससे पहले, देर रात एक नाटकीय कार्रवाई में, दिल्ली पुलिस ने अवैध हथियार रखने की सूचना मिलने के बाद मुठभेड़ के बाद चार अपराधियों को गिरफ्तार किया था। सीसीटीवी में कैद पूरी घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी।

महिला सहकर्मी के बालों पर टिप्पणी करना यौन उत्पीड़न नहीं

निजी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी को राहत देते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक निजी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी को राहत देते हुए कहा कि महिला सहकर्मी के बालों पर टिप्पणी करना और उसके बारे में गाना गाना अपने आप में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न नहीं है। जज संदीप मार्ने ने 18 मार्च के अपने आदेश में कहा कि यदि याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोपों को सही मान भी लिया जाए तो भी उससे यौन उत्पीड़न के बारे में कोई 'ठोस निष्कर्ष' नहीं निकाला जा सकता है।

पुणे में एक बैंक के एसोसिएट क्षेत्रीय प्रबंधक विनोद कछावे ने औद्योगिक अदालत द्वारा जुलाई 2024 में दिए उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें बैंक की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के खिलाफ उनकी अपील को खारिज कर दिया गया था। इस रिपोर्ट में उन्हें कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण)

अधिनियम, 2013 के तहत कदाचार का दोषी ठहराया गया था।

समिति की रिपोर्ट के बाद, कछावे को उप क्षेत्रीय प्रबंधक के पद पर पदावनत (डिमोशन) कर दिया गया। महिला शिकायतकर्ता के अनुसार, याचिकाकर्ता ने उसके बालों पर टिप्पणी की और उसके बालों का जिक्र करते हुए एक गाना भी गाया। शिकायत में कहा गया है कि एक अन्य मामले में उसने कथित तौर पर अन्य महिला सहकर्मियों की मौजूदगी में एक पुरुष सहकर्मी के निजी अंग के बारे में टिप्पणी की थी।

हाई कोर्ट ने कहा कि बैंक की शिकायत समिति ने इस बात पर विचार नहीं किया कि याचिकाकर्ता का कथित आचरण यौन उत्पीड़न है या नहीं। कोर्ट ने कहा, 'यदि घटना से संबंधित आरोपों को सही मान भी लिया जाए, तो भी यह मानना कठिन हो जाता है कि याचिकाकर्ता ने यौन उत्पीड़न का कोई कृत्य किया है।'' हाई कोर्ट ने बैंक की सितंबर 2022 की आंतरिक रिपोर्ट के साथ-साथ पुणे औद्योगिक न्यायालय के आदेश को भी खारिज कर दिया।

प्रवेश वर्मा ने पीडब्ल्यूडी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को किया सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने पीडब्ल्यूडी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया है। प्रवेश वर्मा ने इस दौरान सभी अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम नहीं करेंगे तो कार्रवाई तो होगी। दरअसल प्रवेश वर्मा बीते दिनों पटपड़गंज के दौरे पर पहुंचे। यहां पीडब्ल्यूडी की सड़क के साथ जो नाला है, उसे साफ नहीं किया गया था। उसी से नाराज होकर प्रवेश वर्मा ने यह फैसला लिया है। इससे पहले राष्ट्रीय राजधानी के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने अधिकारियों को सड़क मरम्मत, सीवर सफाई, बाढ़ नियंत्रण और अवैध अतिक्रमणों की समस्या से निपटने का निर्देश देते हुए कहा कि भाजपा की सरकार इरादे की कमी के कारण दिल्ली में वर्षों से रुके हुए कार्यों को पूरा करने के लिए दृढ़संकल्प है। वर्मा ने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार वादे नहीं बल्कि काम करेगी। उन्होंने राजधानी में नागरिकों से संबंधित लंबित पड़े मुद्दों से निपटने और बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए एक पहल शुरू की है, जिसके तहत अगले 100 दिनों में पूरी दिल्ली में स्पष्ट बदलाव लाने का वादा किया गया है। वर्मा ने विधायकों, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान अधिकारियों को सड़क मरम्मत, सीवर सफाई, बाढ़ नियंत्रण और अवैध अतिक्रमण जैसे प्रमुख मुद्दों को युद्ध स्तर पर निपटाने का निर्देश दिया है।

अंग्रेजी ओलंपियाड का आयोजन भोपाल में शुरू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में राज्य स्तरीय अंग्रेजी ओलंपियाड प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान में प्रारंभ हुआ। पहले दिन कक्षा दो और तीन के विद्यार्थियों का शिक्षकों द्वारा मौखिक टेस्ट लिया गया। इसके साथ ही कक्षा 4 से 8 के विद्यार्थियों का लिखित टेस्ट लिया गया। स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र के द्वारा अंग्रेजी पर केन्द्रित विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गईं। इन प्रतियोगिताओं में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर सहभागिता की। उल्?लेखनीय है कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले विद्यार्थी शाला स्तर, संकुल स्तर, विकासखण्ड स्तर और जिला स्तर तक प्रतियोगिताओं के विजेता बनने के बाद यहाँ तक पहुँचे हैं। राज्य स्तरीय अंग्रेजी ओलंपियाड में कक्षा 2 से 8 तक के लगभग 14 लाख 60 हजार विद्यार्थी ने भाग लिया था। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को मुंबई में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। राज्य स्तरीय अंग्रेजी ओलंपियाड (वर्ल्ड पॉवर चेम्पियनशिप) का समापन 21 मार्च को दोपहर 3ः30 बजे भोपाल के इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन पीजीबीटी परिसर में होगा। पुरस्कार वितरण संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह करेंगे। प्रदेश में अंग्रेजी भाषा शिक्षण के उन्नयन, शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं पाठ्य सामग्री निर्माण में गुणवत्ता विकास के उद्देश्य से भोपाल में अंग्रेजी भाषा शिक्षण संस्थान की स्थापना 1964 में की गई है। यह संस्थान मध्यप्रदेश राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद और राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के अंतर्गत एक संस्थान है। यह संस्थान प्रदेश के सभी स्तरों के शिक्षकों के लिये नियमित रूप से अंग्रेजी भाषा में सेवाकालीन शिक्षण प्रशिक्षण की व्यवस्था करता है। यह संस्थान अंग्रेजी भाषा के प्रशिक्षण में उन्नयन के लिये अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएल-यू) हैदराबाद से सहयोग एवं मार्गदर्शन भी ले रहा है।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम सुबह 11 बजे से कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम होगा। उल्लेखनीय है कि होली के कारण 15 मार्च को यह कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा सका था। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा उपभोक्ता-जागरूकता प्रदर्शनी लगायी जायेगी। उपभोक्ता जागरूकता दिवस एवं नुक्कड़ नाटक भी आयोजित किये जायेंगे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनी के स्टॉल को पुरस्कृत किया जायेगा। उपभोक्ताओं को जानकारी प्रदान करने के लिए नाप-तौल विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग (प्रदर्शनी एवं मोबाईल लेब से लाईव टेस्टिंग) भारतीय मानक ब्यूरो, (मानकीकरण एवं बच्चों के लिए स्पाट क्विज) भारतीय खाद्य निगम, म.प्र.स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन, म. प्र. स्टेट वेयरहाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स कार्पोरेशन, इंडियन ऑयल कार्पोरेशन (ई-केवासी का डिस्पले), भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन, (आयल कंपनियों के एल.पी.जी एवं पेट्रोलियम सेल्स डिवीज़न के पृथक-पृथक स्टॉल), दुग्ध संघ, स्वास्थ्य विभाग, डाक विभाग, बीमा कंपनी, खाद्य विभाग जिला-भोपाल, न्यूट्रीशनल इंटरनेशनल, प्रमुख स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों द्वारा प्रदर्शनी लगायी जायेगी।

भोपाल में लायंस क्लब का विस्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लायंस क्लब भोपाल सर्वोदय ने एक नए क्लब की स्थापना के साथ सेवा कार्य का विस्तार किया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन मनीष शाह की आधिकारिक यात्रा के दौरान नए स्थापित लायंस क्लब भोपाल समृद्धि के सदस्यों को शपथ दिलाई गई। इस दौरान क्लब ने एक दिव्यांग बच्चे को %रोलेटर वॉकर% भेंट किया। पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन जे.पी.एस. जौहर ने नए क्लब के सदस्यों को शपथ दिलाई। वहीं, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन मनीष शाह ने क्लब की अध्यक्ष लायन डॉ. वीना कुर्रे एवं अन्य पदाधिकारियों का संस्थापन किया। उनके प्रेरणादायक संबोधन ने सभी को नई ऊर्जा प्रदान की। डिस्ट्रिक्ट के आठवें क्लब के गाइडिंग लायन लायन आशीष जैन, लायन सुयश कुलश्रेष्ठ एवं एक्सटेंशन चेयरपर्सन लायन डॉ. सीमा सक्सेना और लायन डॉ. अंशु सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इस अवसर पर नए क्लब को इंटरनेशनल चार्टर, पिन्स, सर्टिफिकेट, पेन एवं डिस्ट्रिक्ट की ओर से चार्टर गांग ग्रेवल भेंट किए गए। समारोह के दौरान लायंस क्लब भोपाल सर्वोदय की अध्यक्ष लायन मीनाक्षी श्रीवास्तव, लायन राकेश श्रीवास्तव एवं लायन सुनील श्रीवास्तव के सहयोग से एक दिव्यांग बच्चे को %रोलेटर वॉकर% प्रदान किया गया, जिससे उसकी चलने में सहायता होगी।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच का आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के स्थाई कर्मी, दैनिक वेतन भोगी और अंशकालीन कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरने की तैयारी में हैं। कर्मचारी मंच के बैनर तले 23 मार्च को भोपाल के आंबेडकर जयंती मैदान में प्रांतीय धरना किया जाएगा। मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में स्थाई कर्मियों को सातवां वेतनमान, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का नियमितिकरण और अनियमित कर्मचारियों को पेंशन सुविधा शामिल है। साथ ही स्थाई कर्मियों को 10 लाख रुपए की ग्रेच्युटी का भुगतान और सभी कर्मचारियों को मेडिकल एवं बीमा सुविधा की मांग भी की गई है।

पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में नेटवर्क कनेक्टिविटी के हो पुख्ता इंतजाम-संभागायुक्त सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी हेतु टावर लगवाए जाने हेतु निर्देशित किया। पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर के विकास के मास्टर प्लान, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एवं सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरा, वॉल फेंसिंग, स्ट्रीट्स लाइट्स एवं कॉमन कंट्रोल रूम बनाने के लिए निर्देश दिए।

संभागायुक्त श्री सिंह ने गुरुवार को पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर के सभाकक्ष में कार्यकारिणी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में एडीएम श्री सिद्धार्थ जैन, पंडित खुशीलाल चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य श्री उमेश शुक्ला, यूनानी महाविद्यालय की प्राचार्य सुश्री मेहमूदा बेगम तथा सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त श्री सिंह ने संस्थान में अध्ययनरत छात्र - छात्राओं के बहुमुखी विकास के दृष्टिगत संस्थान में इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण के लिए प्रस्तुत प्राक्कलन प्रस्ताव पर

समीक्षा कर निर्देश दिए कि सर्वसुविधायुक्त कॉम्प्लेक्स बनाकर सुविधा प्रदान की जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने संस्थान स्थित हर्बल गार्डन में औषधीय पादप प्रजातियों के पौधों को क्यू आर कोड के साथ लेवल किए जाने के सम्बन्ध में अनुमोदन प्रदान किया।

संभागायुक्त श्री सिंह ने पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में इंट्रीग्रेटेड सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने हेतु मुख्य सुरक्षा अधिकारी की सेवाएं सैनिक कल्याण बोर्ड से प्राप्त करने एवं सुरक्षा प्लान,सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाने, वॉल फेंसिंग करवाने, कॉमन कंट्रोल रूम एवं सम्बन्धित व्यवस्था के लिए रूप रेखा तैयार कर आगामी बैठक में प्रस्तुत करने हेतु निर्देश दिए।

श्री सिंह ने पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, संस्थान चिकित्सालय, बालिका छात्रावास एवं ऑडिटोरियम में दैनिक रूप से उपयोग होने वाली साफ सफाई सामग्री क्रय करने, बालिका छात्रावास हेतु वाटर कूलर विथ आरओ क्रय,संस्थान चिकित्सालय हेतु एयर कूलर क्रय हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

भोपाल में कलचुरि कलार समाज का होली उत्सव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलचुरि कलार समाज भोपाल ने गुरुवार को एकांत पार्क के पास स्थित कलचुरि भवन में होली उत्सव का आयोजन किया। शाम 6 बजे से शुरू हुए कार्यक्रम में महापौर मालती राय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि समाज की बागडोर युवाओं को संभालनी चाहिए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनारायण चौकसे मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद सभी अतिथियों और सदस्यों को गुलाल का तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दी गईं। श्री सहस्त्रबाहु कलचूरि महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विंग कमांडर विनोद राय ने कार्यक्रम का संयोजन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्रीराम जय जय राम भजन के साथ ब्रज की होली के गीत और फाग प्रस्तुत किए गए। ऋषिका मालवीया ने भक्त प्रहलाद का पात्र निभाया। संगीता चौरगड़े और कामिनी ने राधाकृष्ण के पात्र में फूलों से होली खेली और सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी।इस अवसर पर श्री सहस्त्रबाहु कलचूरि महासभा के राष्ट्रीय महासचिव पंकज चौकसे, अ भा हैहय कलचूरि महासभा के राष्ट्रीय महासचिव एड एम एल राय,श्री सहस्त्रबाहु मंदिर समिति बसंत कुंज के संयोजक राजाराम प्रदीप सूर्यवंशी, नरेन्द्र शिवहरे, विष्णु जायसवाल, प्रदीप राय, डॉक्टर जायसवाल, प्रमोद राय, सुशीला चौकसे सहित अनेक सामाजिक गणमान्यों की उपस्थिति में आयोजन सम्पन्न किया गया।

राजगढ़, ब्यावरा, आष्टा, सीहोर और विदिशा के रिटायर्ड कर्मचारियों का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के बिजली नगर कॉलोनी गोविंदपुरा स्थित महासंघ कार्यालय में बिजली कर्मचारी पेंशनर संघ का होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश नागर मध्य क्षेत्र अध्यक्ष ने की।मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमंत तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष अशोक शुक्ला थे।

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध इस संगठन में राजगढ़, ब्यावरा, नरसिंहगढ़, आष्टा, सीहोर और विदिशा के ऊर्जा विभाग से सेवानिवृत्त पेंशनर कार्यकर्ता शामिल हैं। कार्यक्रम में होली मिलन के साथ-साथ सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान भी

किया गया। हेमंत तिवारी ने सभी को भारतीय मजदूर संघ की नीतियों पर चलकर संगठन शक्ति का संदेश दिया और होली एवं रंग पंचमी की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संयोजन जिला पेंशन के विनोद माथुर और उनकी टीम ने किया।

भोपाल निगम की बैठक 1 महीना लेट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल नगर निगम की बजट मीटिंग की तारीख अब तक तय नहीं हो पाई है। इससे कांग्रेस पार्षद विरोध में उतर आए हैं। निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि नियमानुसार मीटिंग हर 2 माह में होनी चाहिए, लेकिन 3 महीने बीत चुके हैं। बावजूद अब तक न तारीख तय हुई है और न ही एजेंडा सामने आया है।उन्होंने बताया, इसे लेकर 17 फरवरी को भोपाल कमिश्नर संजीव सिंह को लेटर भी लिखा था। इसके बाद निगम कमिश्नर को मीटिंग के लिए जरूरी कार्रवाई करने के आदेश दिए गए थे, लेकिन अब तक आदेश का पालन नहीं हो पाया। इसलिए शुक्रवार को सभी कांग्रेस पार्षद कमिश्नर सिंह से मिलेंगे और आपत्ति दर्ज कराएंगे। पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान ने कहा कि लगातार दूसरी बार मीटिंग देरी से होगी। जिससे शहर से जुड़े मुद्दों पर बात नहीं कर पा रहे हैं।

पिछली बैठक 13 दिसंबर 2024 को हुई थी। यह मीटिंग करीब तीन महीने में हुई थी, जबकि नियम 2 महीने के अंदर का है। इस बार भी एक महीना ज्यादा बीत चुका है। ऐसे में विपक्ष यानी, कांग्रेस पार्षद विरोध जता रहे हैं। हालांकि, 24-25 फरवरी को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट थी। मीटिंग में देरी होने की वजह इसे ही बताया जा रहा है। इधर, निगम की बजट मीटिंग 25 मार्च को संभावित है, पर इसका एजेंडा जारी नहीं किया गया है। दूसरी ओर, एमआईसी की मीटिंग में भी बजट पर चर्चा नहीं हुई है। इस वजह से कांग्रेस पार्षद हमलावर हुए हैं। मार्च के आखिरी सप्ताह में संभावित निगम की बजट मीटिंग में जनता से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। संभावना है कि %शहर सरकार% जलकर को 10त्न तक बढ़ा सकती है। ऐसा होता है जनता को हर महीने 20 रुपए ज्यादा चुकाने पड़ेंगे। वहीं, पानी के बल्क कनेक्शन की राशि आधी की जा सकती है। यह बजट ढाई हजार करोड़ रुपए से अधिक का हो सकता है।

बता दें कि करीब 3 साल पहले जल कर पर 15त्न की वृद्धि की गई थी। शहर में पौने 3 लाख से ज्यादा नल कनेक्शन हैं। इनमें 2 लाख कनेक्शन 2400 स्क्वायर फीट या इससे कम एरिये वाले मकानों में लगे हैं। करीब 25 हजार कनेक्शन 2400 स्क्वायर फीट एरिये वाले मकानों में लगे हैं।

सहकारिता अधिनियम में संशोधन की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र में गृह निर्माण सोसायटी के लिए नियम अब सख्त होने वाले हैं। ऐसी गृह निर्माण सोसायटी, जिनके सारे प्लॉट बिक चुके हैं और जो मेंटिनेंस व रखरखाव के नाम पर अब भी अस्तित्व में हैं, उन्हें खत्म किया जाएगा। अब इन सोसायटियों के मेंटेनेंस का काम वेलफेयर सोसायटी करेगी, जो मप्र प्रकोष्ठ स्वामित्व अधिनियम 2000 के तहत गठित होगी। यानी नई वेलफेयर सोसायटी को मेंटेनेंस की जिम्मेदारी मिलेगी। इसके लिए राज्य सरकार सहकारी अधिनियम में संशोधन का बिल विधानसभा में लाने जा रही है। प्रदेश में ऐसी 5000 सोसायटियां हैं, जो केवल मेंटेनेंस के नाम पर चल रही हैं। बिल में यह भी प्रावधान है कि नई सोसायटी के पंजीयन की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। पहले यह प्रक्रिया 90 दिनों की थी। अब इसे 30 दिन (प्राथमिक सोसायटी) और 45 दिन (अन्य सोसायटी) की समय सीमा में पूरा करना होगा। यह अवधि पूरी होते ही इसे डीम्ड पंजीयन माना जाएगा।

इसके बाद 15 दिन के भीतर प्रमाण पत्र जारी करना अनिवार्य होगा। इसके लिए सहकारिता अधिनियम की धारा 9 और धारा 14 में संशोधन प्रस्तावित है। यदि किसी सोसायटी को अपनी उपविधियों में बदलाव करना हो तो यह प्रक्रिया 30 दिन में पूरी करनी होगी। अब नई सोसायटी के पंजीयन के लिए 10 नहीं, 20 सदस्यों के नाम और उनके हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

मप्र सहकारी अधिकरण में पहले न्यायिक सेवा एवं विभागीय स्तर के अधिकारी ही सदस्य बन सकते थे। अब यह बाध्यता खत्म कर दी गई है। अब विभाग का कोई अनुभवी व्यक्ति या रिटायर्ड अधिकारी भी सदस्य बन सकता है।

भोपाल में मंचित हुआ नाटक मारे गए गुलफाम, शक और साजिश की मजेदार जुगलबंदी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के एल बी टी सभागार में फ्लाइंग फैरीज नाट्य संस्था द्वारा गुरुवार को हास्य नाटक मारे गए गुलफ़ाम का मंचन किया गया। इस नाटक ने दर्शकों को खूब हंसाया और ठगों की चालबाजियों पर करारा व्यंग्य किया। इस नाटक को वरिष्ठ निर्देशक डॉ आजम खान ने डायरेक्ट किया। वहीं, लेखक संदीप लेले ने लिखा है। नाटक मारे गए गुलफाम की कहानी एक धूर्त ठग नटवरलाल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अमीर घरों की महिलाओं को अपने प्रेमजाल में फंसाकर ठगने की साजिश रचता है। लेकिन उसकी यह चालाकी ज्यादा दिन तक नहीं चल पाती। रमा और कोकिला नाम की दो महिलाएं उसकी साजिश को

समझ जाती हैं और उसे सबक सिखाने की योजना बनाती हैं। इधर, रमा का पति भी किसी दूसरे से नटवरलाल की साजिश के बारे में जान लेता है और अपनी पत्नी को बिना बताए खुद ही इस मामले को सुलझाने में जुट जाता है। जब नटवरलाल अपने जाल में फंसा हुआ पाता है, तब हास्यास्पद घटनाओं की कड़ी शुरू हो जाती है। पति अपनी ही पत्नी पर शक करता है और रंगे हाथों पकड़ने की योजना बनाता है, लेकिन जब सच्चाई सामने आती है, तो नटवरलाल का पर्दाफाश हो जाता है आखिर में, नटवरलाल अपनी गलती मानकर सबसे माफी मांगता है और दोबारा किसी को धोखा न देने की कसम खाता है। दर्शकों ने इस दिलचस्प और हास्य से भरपूर नाटक का खूब आनंद उठाया। नटवरलाल की भूमिका में प्रदीप मंदरे ने शानदार अभिनय किया, जबकि रमा के किरदार में अंजना राय और कोकिला की भूमिका में शिवानी कटेरिया ने अपने प्रदर्शन से दर्शकों को खूब हंसाया। देवराज जोशी, संजय पंचाक्षरी, कपिल यादव, शेख शेफ, जुनैद हिंदुस्तानी, माही जोशी और अन्य कलाकारों ने भी अपने किरदारों को बखूबी निभाया।

नाटक के निर्देशक डॉ. आजम खान ने कहा, हमारी तेज रफ्तार जिंदगी में हंसी कहीं खो गई है। यह नाटक दर्शकों को सिर्फ मनोरंजन ही नहीं देता, बल्कि उन्हें खुद को पहचानने और जीवन के छोटे-छोटे पलों को संजोने की प्रेरणा भी देता है।

विश्व गौरैया दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने आयोजित किए विशेष कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गौरैया और अन्य सामान्य पक्षियों की घटती संख्या से पर्यावरण को हो रहे नुकसान और इससे उत्पन्न पर्यावरणीय असंतुलन से मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभावों के प्रति जागरूकता को बढ़ाने और इन पक्षियों के संरक्षण के लिए प्रयास करने के उद्देश्य से गुरुवार को विश्व गौरैया दिवस मनाया गया। जिसमें इन पक्षियों की घटती संख्या के कारण पर्यावरण को निरंतर हो रहे नुकसानों पर जानकारी दी गई। साथ ही इनके संरक्षण और संख्या को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य संस्थाओं में पर्यावरण असंतुलन को रोकने के प्रयासों को व्यक्तिगत स्तर पर बल दिए जाने के लिए परिचर्चा और शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए।

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा अन्य सभी विभागों के

समन्वित सहयोग से पर्यावरणीय असंतुलन को रोकने की दिशा में कई स्तरों पर काम किया जा रहा है। विगत दिनों मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा अंतर विभागीय कार्यशाला भी आयोजित की गई थी जिसमें मानव स्वास्थ्य के साथ साथ पशु पक्षियों पर होने वाले पर्यावरणीय असंतुलन के प्रभावों पर चर्चा की गई थी। गौरैया, जिसे अंग्रेजी में स्पैरो कहा जाता है, एक छोटी सी चिड़िया है, जो हमारे आस-पास के वातावरण में रहती है। यह चिड़िया न केवल सुंदर और प्यारी होती है, बल्कि प्राकृतिक संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हम सभी ने बचपन में इस चिड़िया को अपने घरों के आंगन या गली-मोहल्लों में देखा है। परंतु, बदलते पर्यावरण और मानवीय गतिविधियों के कारण इनका अस्तित्व खतरे में पड़ता जा रहा है।

गौरैया का अस्तित्व हमारे सांस्कृतिक और पारंपरिक जीवन में भी गहरा संबंध रखता है। भारत में इसे अक्सर घरों में शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है, क्योंकि यह घर के वातावरण को हल्का और खुशहाल बनाती है। गौरैया की घटती हुई संख्या का प्रमुख कारण उसके प्राकृतिक आवास का नष्ट होना है। शहरीकरण के बढ़ते प्रभाव के कारण पेड़-पौधे, बाग-बगीचे और खुले स्थान धीरे-धीरे समाप्त हो रहे हैं। साथ ही प्रदूषण और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग ने गौरैया के जीवन को संकट में डाल दिया है। इसके अलावा, अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण भी इन पक्षियों के प्राकृतिक व्यवहार को प्रभावित करता है। गौरैया छोटे-छोटे कीड़े, अनाज और रसोई के बचे हुए खाने को खाती हैं। लेकिन आधुनिक खेती में रासायनिक कीटनाशकों के आगमन के साथ, कीटों की आबादी कम हो गई है।

फर्जी डॉक्टर पकड़ाया, बिना डिग्री के कर रहा था इलाज, मरीज की मौत के बाद गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। चितरंगी थाना पुलिस ने शुक्रवार को एक फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपी अजीत कुमार के पास से एलोपैथिक दवाइयां और मेडिकल किट बरामद हुई है।

आरोपी लंबे समय से चितरंगी इलाके के ग्रामीण आदिवासियों का इलाज कर रहा था। उसके पास किसी भी तरह की मेडिकल डिग्री नहीं है। थाना प्रभारी सुदेश तिवारी के अनुसार, 20 मार्च को गलत इलाज से एक मरीज मनोज यादव की मौत हो गई।

मृतक के भाई अनिल कुमार यादव ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया था कि मनोज यादव इलाज के लिए अजीत कुमार के पास गए थे। खून की जांच के बाद मरीज को चक्कर आने लगे। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नहीं मिली डिग्री: पुलिस ने जांच के दौरान अजीत कुमार के क्लिनिक पर छापा मारा। वहां से एलोपैथिक दवाइयां और चिकित्सा उपकरण बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने माना कि उसके पास कोई मेडिकल डिग्री नहीं है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मध्य प्रदेश आयुर्वेद विज्ञान परिषद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा।

विपक्षी पार्षदों ने 12 सूत्री मांगों को लेकर दिया धरना

नगर निगम में भ्रष्टाचार का आरोप, आयुक्त बोले- नियमानुसार होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली नगर निगम में भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच विपक्षी दल के पार्षदों ने शुक्रवार को निगम के गेट पर धरना दिया। पार्षदों का आरोप है कि उनकी बात नहीं सुनी जाती और वार्डों में विकास कार्य सही तरीके से नहीं हो रहे हैं।

पार्षदों ने 12 सूत्री मांग पत्र निगम आयुक्त को सौंपा है। इसमें प्रमुख मांगें हैं - पार्षद की सहमति से ही वार्ड के विकास कार्यों का भुगतान किया जाए। पार्षद निधि को बढ़ाकर 50 लाख रुपए किया जाए। सभी वार्डों में समान बजट का आवंटन हो। कायाकल्प योजना का कार्य हर वार्ड में बराबर हो।

पार्षदों की सहमति से हो सभी विकास कार्य: अन्य मांगों में सीवर लाइन के काम में सड़क की मरम्मत पार्षद की सहमति से हो। स्ट्रीट लाइट के कार्य का भुगतान सभी 45 वार्ड पार्षदों की सहमति से हो। सफाई कार्य का भुगतान पार्षद की संतुष्टि और सहमति के बाद ही किया जाए।

पार्षदों ने मांग की है कि गर्मी को देखते हुए सभी वार्डों में पाइप लाइन बिछाई जाए और प्याऊ की व्यवस्था की जाए। इस मामले में नगर निगम आयुक्त डी.के. शर्मा ने कहा कि पार्षदों की तरफ से जो मान्य मांगें की गई हैं, उन्हें नियमानुसार लागू किया जाएगा।

एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत तीन दिवसीय लोकोत्सव का आयोजन 22 से

विभिन्न राज्यों के लोकगीतों एवं लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा तथा जिला प्रशासन सीधी (म.प्र.) के सहयोग से एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत तीन दिवसीय लोकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 22 मार्च से पूजा पार्क सीधी में किया जाएगा। केंद्र के प्रभारी निदेशक आशिस गिरि ने बताया कि इस दौरान कलाकारों द्वारा विभिन्न राज्यों के लोकगीतों एवं लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही इन्द्रवती नाट्य समिति के संयोजन में स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

केंद्र के प्रभारी निदेशक ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 22 मार्च को छतरपुर के कलाकारों द्वारा बुंदेली एवं भजन गायन, मथुरा के कलाकारों द्वारा मयूर व फूलों की होली नृत्य, शरमिला गदीली एवं दल द्वारा सिक्किम का तमांग सैलो नृत्य, कैलाश ध्यानी एवं दल द्वारा गढ़वाल के नृत्य, मूलचन्द्र ठाकुर द्वारा मध्य प्रदेश का प्रसिद्ध लोकनृत्य राई व स्थानीय कलाकारों द्वारा सैला नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। 23 मार्च को संजो बघेल एवं दल द्वारा आल्हा गायन तथा स्थानीय कलाकारों द्वारा बघेली गुदुम बाजा नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी, जबकि 24 मार्च को मनीष अग्रवाल द्वारा तम्बूरा भजन एवं लोकगीत, गोपाल सिंह चम्याल द्वारा कुमाउंनी लोकगीत, तमांग सैलो नृत्य, गढ़वाल के नृत्य, राई नृत्य तथा स्थानीय कलाकारों द्वारा कर्मा नृत्य की साथ ही प्रतिदिन स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकनृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी।

80 छात्रावास, 28 आश्रम शालाओं में अधीक्षकों की नियुक्ति गलत

जनजातीय कार्य विभाग के कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के जनजातीय कार्य विभाग के कर्मचारियों ने शुक्रवार शाम को अपनी मांगों को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। सहायक आयुक्त एसएन द्विवेदी को दिए गए ज्ञापन में कर्मचारियों ने विभिन्न समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की है।

विभाग में कार्यरत प्राथमिक शिक्षकों की प्रथम और द्वितीय क्रमोन्नति वर्षों से लंबित है। विभागीय स्तर पर कार्रवाई पूरी होने के बाद भी क्रमोन्नति सूची जारी नहीं की गई है। इसके अलावा 2023 में शुरू की गई उच्च पद प्रभार की प्रक्रिया भी अधूरी है। माध्यमिक शिक्षकों को उच्च माध्यमिक शिक्षक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों को प्राचार्य का प्रभार अभी तक नहीं मिला है।

जिले में 28 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 17 हाई स्कूल और एक सीएम राइज स्कूल में नियमित प्राचार्यों की नियुक्ति नहीं हुई है। इन स्कूलों में कनिष्ठ कर्मचारियों को प्रभारी प्राचार्य बनाया गया है। इससे वरिष्ठ शिक्षकों में नाराजगी है। कर्मचारी संगठन ने वरिष्ठता के आधार पर प्रभार देने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इससे विद्यालयों का बेहतर संचालन हो सकेगा।

विभागीय शिक्षकों को ही दें जिम्मेदारी: कर्मचारियों ने 80 छात्रावासों और 28 आश्रम शालाओं में अधीक्षकों की नियुक्तियों को नियमों के विपरीत बताया है। उनका कहना है कि कई जगह तो स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों को यह जिम्मेदारी दे दी गई है, जबकि विभाग में पर्याप्त संख्या में शिक्षक उपलब्ध हैं। संगठन ने मांग की है कि छात्रावासों और आश्रमों में अधीक्षकीय दायित्व केवल विभागीय शिक्षकों को ही दिया जाए।

पति पर चढ़ा कार का पहिया, मौत

पत्नी को डॉक्टर के पास लेकर गया, ढलान में लुढ़की गाड़ी को रोकने में दबा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के गढ़ीमलहरा गांव में पत्नी के इलाज के लिए डॉक्टर के पास गए एक व्यक्ति की अपने ही कार से नीचे कुचला कर मौत हो गई। घटना गुरुवार रात करीब 3 बजे की है। जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 8 गढ़ीमलहरा निवासी राघवेंद्र सिंह सेंगर(40) अपनी पत्नी ज्योति सेंगर को पेट दर्द की शिकायत पर टवेरा कार से लुगासी रोड स्थित एक प्राइवेट डॉक्टर के पास ले गए थे।

कार रोकने की कोशिश में पहिए के नीचे आए: डॉक्टर को बुलाने के लिए उन्होंने कार चालू छोड़कर क्लीनिक का दरवाजा खटखटाया। कार ढलान पर खड़ी थी और उसमें उनकी पत्नी बैठी थीं। इसी दौरान कार लुढ़कने लगी। राघवेंद्र ने दौड़कर कार को रोकने की कोशिश की, लेकिन उनका पैर फिसल गया और वे कार के पहिए के नीचे आ गए।

सीने के ऊपर से निकली गाड़ी, मौत: घटना के दौरान कार का पहिया उनके सीने के ऊपर से निकल गया। परिजन तुरंत राघवेंद्र को जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी सुरभि शर्मा के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच की जाएगी।

कॉलेज में छात्र ने किया बके से हमला

तुलसी कॉलेज का स्टूडेंट आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार, एनएसयूआई ने की सस्पेंड की मांग

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर के शासकीय तुलसी महाविद्यालय में छात्रों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। एमए द्वितीय वर्ष के छात्र लालजी पटेल की शिकायत पर बीए प्रथम वर्ष के छात्र सूरज श्रीवास्तव को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया है।

गुरुवार को हुए घटना के अनुसार कॉलेज के बाहर लालजी पटेल ने सूरज श्रीवास्तव को गाली-गलौज करने से मना किया था। इस पर सूरज ने कॉलेज के बाहर सड़क पर लोहे का धारदार बका लेकर लालजी को धमकी दी और अश्लील गालियां दीं।

इन धाराओं में केस दर्ज: कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद जैन ने मामले में धारा 296, 115(2), 351(3) बीएनएस और धारा 25(बी) आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। पुलिस टीम ने आरोपी सूरज श्रीवास्तव को शांति नगर से गिरफ्तार कर उसके पास से धारदार हथियार जब्त किया।

एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन: इस घटना के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने कॉलेज प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा है। संगठन ने आपराधिक प्रवृत्ति के छात्रों को निलंबित करने की मांग की है। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि दो दिन में कार्रवाई नहीं की गई तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। इसकी जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की होगी।

ई-केवाईसी में लापरवाही पर 12 शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

सीधी। उपखण्ड अधिकारी सिहावल एसपी मिश्रा द्वारा ई-केवाईसी में लापरवाही बरतने पर 12 शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय भोपाल म.प्र. के द्वारा पात्र हितग्राहियों के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी किये जाने के निर्देश दिये गये थे। उक्त कार्य मे लापरवाही बरतने पर शासकीय उचित मूल्य दुकान नकझर कला के विक्रेता दुर्गेश पाण्डेय, मौहार विनोद मिश्रा, चोराही पुष्पराज सिंह गहरवार, खैरा अरविन्द कुमार पाठक, अमरपुर प्रमोद कुमार सिंह, पडरिया प्रभुदत्त पाठक, अमिलिया प्रमोद कुमार सिंह, पोखडोर शिवेन्द्र कुमार मिश्रा, खुटेली शंकर प्रसाद यादव, बाकी अनुराधा तिवारी, हिनौती पवन कुमार गुप्ता एवं दुधमनिया योगेश कुमार तिवारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

अस्पताल कर्मचारी से मारपीट मामले में एएसआई सस्पेंड

सांप काटने की रिपोर्ट लिखाने गया था, बिना पूछे कुर्सी पर बैठने को लेकर की थी बदसलूकी

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के शाहनगर थाने में पदस्थ एएसआई अवध राज उईके को एसपी ने सस्पेंड कर दिया है।

दरअसल,15 मार्च की रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहनगर का सफाई कर्मचारी ऋषभ वाल्मीकि बीएमओ के कहने पर सर्प दंश के मामले की रिपोर्ट लिखवाने थाने गया था।

कर्मचारी का आरोप है कि नाइट ड्यूटी पर तैनात एएसआई अवध राज सिंह शराब के नशे में थे। उन्होंने बिना पूछे कुर्सी पर बैठने को लेकर गाली-गलौज की। इसके बाद मारपीट भी की।

अगली सुबह पीड़ित ने थाना प्रभारी मनोज यादव को इस घटना की जानकारी दी। फिर एसपी कार्यालय में शिकायती आवेदन दिया। मामले की जांच के बाद एसपी साईं कृष्ण एस थोटा ने गुरुवार को एएसआई को सस्पेंड करने का आदेश जारी किया।

पवई एसडीओपी राजेन्द्र मोहन ने पुष्टि की कि अस्पताल कर्मचारी की शिकायत के आधार पर एएसआई के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है।

एमसीबीयू कुलगुरु ने सीता पर दिया था बयान

छात्र संगठनों का विरोध प्रदर्शन, कुलगुरु ने कहा- मेरे बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय (एमसीबीयू) में विवाद गरमा गया है। कुलगुरु प्रो. शुभा तिवारी द्वारा ओरछा में मां सीता पर की गई टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। कांग्रेस युवा सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। साथ ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन किया।

कुलगुरु प्रो. शुभा तिवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। उन्होंने मां सीता के बारे में कोई आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की है।

पूरे सनातन धर्म का अपमान- एबीवीपी: सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें कुलगुरु ने कथित तौर पर मां सीता के लिए अपमानजनक टिप्पणी की है। भगवान राम को साधारण पुरुष बताया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्वेच्छा पाठक ने कहा कि यह केवल नारी का नहीं, पूरे सनातन धर्म का अपमान है। विद्यार्थी परिषद के विभाग संयोजक राजदीप तिवारी के नेतृत्व में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया।

अपने शब्द वापस लेने की बात कही: कुलगुरु ने प्रदर्शनकारियों के बीच जाकर उनकी बात सुनी। उन्होंने अपने शब्द वापस लेने की बात कही। साथ ही कहा कि अगर किसी की भावनाएं आहत हुई हैं, तो वे अपने शब्द वापस लेती हैं। इसके बाद प्रदर्शनकारी शांत हो गए।

बोनस के साथ 2600 रुपये में खरीदा जाएगा किसानो से गेहूँ

सीधी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि शासन द्वारा रबी उपार्जन वर्ष 2025-26 के लिए गेहूँ का समर्थन मूल्य 2425 रूपये तथा सरकार द्वारा घोषित बोनस 175 रूपये प्रति क्वि. के साथ किसानों से कुल 2600 रूपये प्रति क्वि. की दर से गेहूँ के उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन जारी है। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई है। एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा मोबाइल, कम्प्यूटर, समिति के पंजीयन केन्द्र तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र में पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है।

हार्वेस्टर विवाद में हत्या के 5 आरोपी गिरफ्तार

बड़ामलहरा में हमले में हुई थी एक की मौत, 3 कुल्हाड़ी और 2 लाठी बरामद

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के बड़ामलहरा थाना पुलिस ने हार्वेस्टर विवाद में हुई हत्या के मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई 3 कुल्हाड़ी और 2 लाठी भी बरामद की हैं।

थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा ने बताया कि 18 मार्च को हार्वेस्टर मशीन को खेत से निकालने के विवाद में फरियादी के दोनों मामाओं पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया था। इस घटना में फरियादी के छोटे मामा राकेश की इलाज के दौरान मौत हो गई। पहले हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था, बाद में हत्या की धारा जोड़ी गई।

बड़ामलहरा के वार्ड नंबर 9 के रहने वाले हैं आरोपी: पुलिस ने लगातार दबिश देकर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में बालकिशन पिता रिल्ली जोशी और उनके तीन बेटे बबलू, जितेंद्र, अरविंद शामिल हैं। पांचवां आरोपी अजय पिता हीरालाल जोशी है। सभी आरोपी बड़ामलहरा के वार्ड नंबर 9 के रहने वाले हैं।

पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है। मामले की जांच जारी है।

शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 23 मार्च को

सीधी। सहायक आयुक्त ने जानकारी देकर बताया है कि अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्र चिन्हित किये गये है। सीधी जिले के जिला मुख्यालय में संचालित उत्कृष्ट उ.मा.वि. क्रमांक 1 सीधी में परीक्षा केन्द्र चिन्हित किया गया है, जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के कुल 32 छात्र-छात्राएं प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार रथ रवाना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए उपखंड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा द्वारा प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत पेंशन एवं अन्य योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए यह रथ जिले के सभी जनपदों एवं ग्राम पंचायतों में एलईडी स्क्रीन और अन्य माध्यमों से जनहितकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के जिला समन्वयक सूरज सिंह, सीपी तिवारी मुख्य लिपिक, शिवांसु शुक्ला पुनर्वास विशेषज्ञ विशेष शिक्षक जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र उपस्थित रहे।

विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस पर जिला चिकित्सालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस पर जिला चिकित्सालय में विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। इस अवसर पर पहले दिन अस्पताल के पूरे स्टाफको दांत और मुंह को स्वस्थ रखने के लिए शपथ दिलवाई गई, हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, हितग्राहियों का दंत परीक्षण कर दांतो की सुरक्षा की समझाइश दी गई एवं मुँह के कैंसर का परिक्षण किया गया। हितग्राहियों को तम्बाकू गुटखा सुपारी सेवन नहीं करने की सलाह दी गई एवं सुबह रात दोनों समय ब्रश करने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबिता खरे, सिविल सर्जन डॉ दीपरानी इसरानी, डॉ लक्ष्मण पटेल, डॉ आशीष भारती, डॉ हिमेश पाठक, डॉ रवि पटेल एवं ओरल हेल्थ नोडल ऑफिसर डॉ अनुराग पाल, डेंटल सर्जन डॉ सत्येन्द्र शुक्ला, डॉ स्वाती सिंह, डॉ माधुरी उइके, डॉ रश्मि सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत के अभिलेख एवं वस्तुए अपने अभिरक्षा में अप्राधिकृत रूप से रखे जाने के कारण जिले के 41 सचिवों को नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्राम पंचायत के अभिलेख एवं वस्तुएं संबंधित को प्रभार में नहीं दिये जाने एवं अनाधिकृत रूप से अपनी अभिरक्षा में रखे जाने के कारण संबंधित सचिवों के विरूद्ध मध्यप्रदेश पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92(2) तथा मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (ग्राम पंचायत सचिव भर्ती एवं सेवा की शर्तें) नियम 2011 के नियम 7 के तहत कार्यवाही संस्थित करने के लिए जिले के 41 ग्रामपंचायत सचिवों को कारण बताओ सूचना पत्र अंशुमन राज विहित प्राधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी द्वारा जारी किया जाकर जबाब चाहा गया है। रघुराज सिंह अमरपुर, रामसखा विश्वकर्मा बडागांव, सुदामा प्रसाद वर्मा बघौडी, सुनीता पटेल बल्हया, संजय द्विवेदी बरबंधा, तेजा प्रसाद पटेल चमरौहा, रमेश कुमार पटेल चितवरिया, संदीप कुमार वर्मा चौराही, सुधाकर सिंह ददरीकला, अमित कुमार पाण्डेय डढिया, रामचन्द्र सेन डिहुलीखास 3, मोतीलाल द्विवेदी डोल, रामशिरोमणि पटेल हटवा देवार्थ, गणेश गुप्ता जनकपुर, विकमादित्य सिंह खडबडा, शोक कुमार मिश्रा कुनझुनकला, अम्बिकेश शुक्ला (रोजगार सहायक) पटेहराकोठार, गोपाल जी शर्मा पथरौही, तेजभान यादव पतुलखी, शैलेन्द्र सिंह पोखरा, रामसजीवन पटेल राजगढ, बेकुष्ठ बहादुर सिंह (रोजगार सहायक) रामडीह, राजेन्द्र तिवारी सहजी, आशुतोष उपाध्याय सिहौलिया, मजू सिंह सोनतीर पटेहरा, बालकेशव पटेल तेन्दुहा नं02 एवं विक्रमादित्य सिंह तितली को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

विचार

अच्छे पैकेज के साथ रोजगार की समस्या से जूझते आज के युवा

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार को लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थनों में कहीं कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है। यह सबतो देश दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी और घर बार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्राम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी और कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं।

आखिर कब और कैसे थमेंगी सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं ?

लीजिए, एक और साप्रदायिक दंगा हो गया। इस बार आरएसएस मुयालय के लिए मशहूर नागपुर शहर ही इन दंगों की आग से धधक उठा। टीवी पर जो आग की उठती लपटें दिखीं, घायल लोग व पुलिस वाले दिखे, क्षतिग्रस्त व जले वाहन नजर आए, इसके गभीर मायने हैं। सवाल है कि या यह आरएसएस और उसके अनुसांगिक संगठनों को देश-दुनिया में बदनाम करने की सियासी साजिश है? या हमारे देश के समुदाय विशेष को आइएसआइ लगातार भड़का रही है जिससे वो निरंतर हिंसक होते जा रहे हैं और पाकिस्तान-बंगलादेश से सहानुभूति रखते हुए उन्हीं जैसा व्यवहार करने लगे हैं?

सुलगता हुआ सवाल यह भी है कि क्या दुनियावी मंचों पर लगातार मजबूत हो रहे भारत को पुन: कमजोर करने की साजिश के तहत अंतरराष्ट्रीय ताकतों के इशारे पर यह सबकुछ हो रहा है, जिसके तार हमारे राजनेताओं तक से जुड़े हुए हैं क्योंकि देश की यही बेलगाम ताकत है जो अधिकांश अनैतिक करतूतों की जड़ समझी जा रही है! इसी के साथ यह सवाल भी पुन: प्रासंगिक हो गया कि आखिर ब्रेक के बाद होने वाली नागपुर जैसी सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं कैसे थमेंगी? आखिर इन जैसी घटनाओं को रोकने में प्रथमदृष्टया हमारा पुलिस प्रशासन असहाय क्यों प्रतीत होता है और फिर घटना के बाद सक्रिय होकर स्थिति को काबू में करता है?

सवाल यह भी है कि आखिर क्यों पुलिस बल की तमाम रणनीति फेल हो जाती है जिसकी कीमत इसके अधिकारियों-जवानों के साथ-साथ उन मेहनतकश लोगों को भी चुकानी पड़ती है जो अपने कार्यवश सड़क पर होते हैं या प्रभावित क्षेत्र से गुजरते हैं? प्रश्न यह भी है कि समय रहते ही पत्थर, ईंट-रोड़े छतों पर जमा होने की सूचना पुलिस को क्यों नहीं मिल पाती है? क्या हमारा खुफिया तंत्र बार बार विफल हो रहा है या उसकी सूचना पर सही प्रशासनिक फैसले नहीं हो पाते हैं? यह सब कुछ प्रशासन को बताना चाहिए, क्योंकि ब्रेक के बाद देश में होने वाली सांप्रदायिक/जातीय/क्षेत्रीय हिंसा व आगजनी की खबरें हर किसी को परेशान करती हैं।

लिहाजा इस बारे में पुलिस जनजागृति कार्यक्रम करती रहे और घटना के पश्चात इतनी कड़ी कार्रवाई करे, ताकि फिर कहीं और किसी के सिर उठाने की नौबत ही नहीं आए। वहीं, सिविल प्रशासन, न्यायपालिका, मीडिया, सामाजिक संस्थाओं और सियासी दलों को भी पुलिस कार्रवाई का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि विधि-व्यवस्था के मामले में समझौता करने का सीधा असर समाज और कारोबार दोनों पर पड़ेगा। इस मामले में बयानबाजी भी सधी होनी चाहिए, ताकि यह और नहीं भड़के। सवाल यह भी है कि क्या इस क्षेत्र में नागरिक-पुलिस समन्वय समिति नहीं थी या फिर वह भी विफल साबित हुई? सवाल बहुत हैं और जवाब सिर्फ यही कि चुस्त-दुरुस्त प्रशासन ही ऐसी घटनाओं को रोक सकता है, अन्यथा जन-धन की अप्रत्याशित क्षति होती रहेगी।

कहना न होगा कि नागपुर के महल क्षेत्र में दो समुदायों के बीच भड़काए गए दंगे पर कांग्रेस ने जिस तरह से भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया है, वह एक ओछी राजनीति का परिचायक है, क्योंकि ऐसा नहीं है कि कांग्रेस के शासनकाल में कथित शांतिप्रिय समुदाय ने दंगे नहीं भड़काए। ऐसे में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सरकार की विफलता की जो आलोचना की है, वह उनकी दूषित सियासी मानसिकता का ही परिचायक है। ऐसी विकृत सियासी सोच के चलते ही साम्प्रदायिक दंगे लाइलाज बीमारी बनते जा रहे हैं।

जानकारों का कहना है कि सियासी विकृति, प्रशासनिक अकर्मण्यता, न्यायिक विवेकशून्यता और मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक में संपादकीय विवेक के अभाव का ही नतीजा है कि ब्रेक के बाद यत्र-तत्र दंगे भड़क जाते हैं, जिसके बाद शहर में कर्फ्यू लगा दिया जाता है। इंटरनेट पर पाबंदी इस समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि उकसाऊ तत्वों का विधि सम्मत तरीके से सफाया करके ही इस समस्या का सार्थक समाधान किया जा सकता है। लोगों के मुताबिक, जिस तरह से नागपुर के महल इलाके में हिंसा भड़की, भीड़ का पथराव हुआ, भीड़ द्वारा 8 से 10 वाहनों में आग लगा दी गई और ऐसी ही घटनाएं सामने आई हैं, उससे प्रशासन के एक्टिव रहने पर ही सवाल उठता है, क्योंकि उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश न होना पुलिस को जान पर खेलने के लिए विवश करने जैसा है। इसके लिए संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों की अदूरदर्शी भूमिका भी सभ्य समाज के कठघरे में है, क्योंकि राष्ट्र को सुशासन देने की नैतिक जिम्मेदारी इन्हीं दोनों संस्थाओं की है। यदि एक समुचित कानून नहीं बनाने का दोषी है तो दूसरा ऐसे मामलों में स्वत: संज्ञान न लेकर किंकर्तव्यविमूढ़ बने रहने का जो मंचन करता है, वह अस्वीकार्य है।

हैरत की बात है कि नागपुर के महल इलाके में दो समुदायों के बीच भड़की हिंसा पर जो राजनीति शुरू हो गई है, उससे घटिया बात कुछ हो ही नहीं सकती! भले ही कांग्रेस ने इसके लिए भाजपा नीत सरकार को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन उसकी सरकारों ने क्या किया है, उसका अतीत कैसा रहा है, इस बारे में वह कभी नहीं सोचती। कांग्रेस ने जिस तरह से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफलता का आरोप लगाया है, वह एकतरफा आरोप है। चूंकि कांग्रेस या इंडिया गठबंधन की सरकारें अपनी नीतियों से कथित शांतिप्रिय समुदाय को भड़काती रहतीं हैं, इसलिए ऐसी नौबत पैदा होना आम बात है।

भले ही कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया है कि सांप्रदायिक सद्भाव के 300 साल के इतिहास वाले शहर में इस तरह की अशांति कैसे हो सकती है? लेकिन इसकी हकीकत उनसे ज्यादा कौन बयां कर सकता है। एक ओर उन्होंने कुछ राजनीतिक दलों पर अपने फायदे के लिए जानबूझकर तनाव भड़काने का आरोप लगाया, जबकि दूसरी तरफ सांप्रदायिक हिंसा रोकथाम विधेयक 2011 लाकर उनकी पार्टी ने किस तरह एकतरफा नियम बनवाए, वह हैरतअंगेज है। क्या वह अपनी पार्टी की करतूतें भूल चुके हैं?

उनका यह कहना कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के गृहनगर महल में दंगा भड़क गया, एक अस्वीकार्य बयानबाजी है। क्योंकि वहां के हालात इस बात की चुगली कर रहे हैं कि यह एक सुनियोजित साजिश थी क्योंकि उपद्रवियों ने हिंदुओं को चुन चुन कर निशाना बनाया है। ऐसे आरोप टीवी व सोशल मीडिया पर दिखाई-सुनाई पड़ रहे हैं। इसलिए मुझे भी इसमें साजिश की बू आती है क्योंकि वाकई नागपुर का इतिहास 300 साल पुराना है और यहां पहले कभी कोई दंगा नहीं हुआ। यह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और देवेंद्र फडणवीस जैसे सुलझे हुए नेताओं का गृह क्षेत्र भी है, इसलिए यहां शांति की गारंटी होनी चाहिए।क्योंकि यथा नेता तथा प्रजा वाली कहावत यहां सटीक बैठती थी, इस घटना से पूर्व तक। इसलिए हम उन जैसों से भी यह पूछना चाहते हैं कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों पैदा हुई?

अब भले ही उन्होंने कहा कि बीजेपी केंद्र और राज्य दोनों जगहों पर सत्ता में है, लेकिन कभी कांग्रेस की भी तो सरकारें ऐसे ही केंद्र व राज्य दोनों जगहों में हुआ करती थीं, फिर भी दंगे भड़कते थे। वैसे में आज यदि विहिप और बजरंग दल ने औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया, तो सरकार ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जो पर्याप्त इंतजाम किए थे, वो उपद्रवियों की जाहिल मानसिकता के चलते विफल रहे। जिससे नागपुर शहर के कोतवाली, गणेशपेठ, लकड़गंज, पचपावली, शांतिनगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाड़ा, यशोधरा नगर और कपिल नगर पुलिस थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाने की नौबत आई।

वहीं, कांग्रेस ने कुछ राजनीतिक दलों पर अपने हितों के लिए लोगों को भड़काने का जो आरोप लगाया और कहा कि एक खेल खेला जा रहा है और शहर के 300 साल पुराने इतिहास को मुद्दा बनाया जा रहा है। लिहाजा आपलोग इस खेल का शिकार न बनें। क्योंकि शांति बनाए रखना हमारे हित में है। कांग्रेस ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल लोगों को भड़काते हैं और सोचते हैं कि इसमें उनका राजनीतिक हित है तो हमें ऐसी कुत्सित राजनीति से बचना चाहिए। क्योंकि हमारे लिए शांति महत्वपूर्ण है।

बता दें कि मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को खुल्ताबाद से हटाने की मांग को लेकर सोमवार देर रात मध्य नागपुर में हिंसक झड़पें हुईं। इसमें, दर्जनों लोग घायल हो गए। भीड़ ने दो बुलडोजर और पुलिस वैन सहित 40 वाहनों को आग के हवाले कर दिया। इस हिंसा में कम से कम 10 दंगा-रोधी कमांडो, दो वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और दो दमकलकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एक कांस्टेबल की हालत गंभीर बनी हुई है।

वहीं, पुलिस ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए 50 दंगाइयों को गिरफ्तार किया। वहीं, गृह मंत्रालय ने इस हिंसा पर रिपोर्ट मांगी है। यह घटना प्रधानमंत्री मोदी के नागपुर दौरे से ठीक दो सप्ताह पहले हुई थी।

नागरिकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचान सरकार की प्राथमिकता

प्राचीनकाल में भारत के नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति चेतना का भाव जागृत रहता था। जागरूकता तो यहां तक थी कि किस प्रकार जीवन की दिनचर्या स्थापित हो कि परिवार में कोई बीमार ही नहीं हो, बीमारी का निदान तो आगे की प्रक्रिया रहती है। उस खंडकाल में प्रत्येक नागरिक इतना सजग रहता था कि प्रात:काल एवं सायंकाल में 5/10 किलोमीटर तक नियमित रूप से पैदल चलना एवं योगक्रिया तथा प्राणायाम आदि का अभ्यास नियमित रूप से करता था ताकि शरीर को किसी भी प्रकार का रोग ही नहीं लगे एवं शरीर स्वस्थ बना रहे। इसके साथ ही खानपान, सामान्य दिनचर्या, सूरज डूबने के पूर्व भोजन करना, रात्रि में जल्दी सोना और प्रात:काल में जल्दी उठना, दिन भर मेहनत के कार्य करना, जैसी प्रक्रिया सामान्यजन की हुआ करती थी। परंतु, आज परिस्थितियां बदली हुई सी दिखाई देती हैं। पश्चिमी सभ्यता की ओर बढ़ रहे रुझान के चलते युवाओं के खानपान में आमूलचूल परिवर्तन दिखाई देता है, दिनचर्या में परिवर्तन दिखाई देता है, रात्रि में बहुत देर से सोना और सूर्य नारायण के उदित होने के पश्चात दिन में बहुत देर से उठना आदि कारणों के चलते विभिन्न प्रकार की बीमारियां नागरिकों को घेरने लगी हैं। अत: केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए अपने बजट में विशेष प्रावधान करने पड़ रहे हैं। आज, केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा यह प्रयास किए जा रहे हैं कि समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से पहुंचें और आज सरकार की यह प्राथमिकता बन गई है। देश में नागरिकों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 175,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं। इन सभी प्रयासों के चलते आज भारत में मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में भी व्यापक कमी दृष्टिगोचर हुई है और केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे प्रयासों के चलते एवं अस्पताल, इलाज और दवा की व्यवस्था के कारण एक सामान्य परिवार में स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च निरंतर कम हो रहा है।

भारत में, नागरिकों की दिनचर्या में आ रही गिरावट एवं खानपान में आए बदलाव के चलते देश में कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और इसका इलाज महंगा होने के कारण आम नागरिकों के लिए इस बीमारी का इलाज कराना बहुत मुश्किल कार्य होता जा रहा है। अत: केंद्र सरकार ने कैंसर दवाओं के आयात पर कस्टम ड्यूटी को समाप्त कर दिया है। केंद्र सरकार द्वारा, अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करते हुए, सर्वाइकल कैंसर के लिए अब तक लगभग नौ करोड़ महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। देश में लगातार बढ़ रही कैंसर के मरीजों की संख्या को देखते हुए देश के समस्त जिलों में आगामी 3 वर्षों के दौरान डे केयर कैंसर सेंटर की स्थापना कर दी जाएगी। इस प्रकार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 200 डे केयर कैंसर सेंटर की स्थापना की जा रही है।

इसी प्रकार केंद्र सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से दिमागी बुखार से लड़ने में देश को बहुत सफलता मिली है। इससे होने वाली मृत्यु दर अब घटकर छह प्रतिशत रह गयी है। केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी के मरीजों की संख्या भी घटी है। भारत को टीबी मुक्त बनाए जाने का

विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम की सही ट्रैकिंग रखने के लिए नामक पोर्टल लॉन्च किया गया है। इस पोर्टल पर अब तक लगभग तीस करोड़ वैक्सीन खुराक दर्ज हो चुकी है। टेली मेडिसिन के माध्यम से तीस करोड़ से अधिक ई-टेली-कन्सल्टेशन से नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ मिला है। देश में यदि विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैल रही हैं तो इन बीमारियों के पहचानने के लिए उचित संख्या में डॉक्टरों की उपलब्धता बनी रहे एवं विशेष रूप से गांवों में भी डॉक्टर उपलब्ध रहें इस हेतु केंद्र सरकार द्वारा देश में डॉक्टरों की संख्या को बढ़ाने के लिए पिछले 10 वर्षों के दौरान देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में 110,000 नई मेडिकल सीटों का सृजन, 130 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ, किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 10,000 अतिरिक्त मेडिकल सीटों का सृजन भी किया जा रहा है ताकि आगामी पांच वर्षों के दौरान देश के मेडिकल कॉलेजों में 75,000 नई सीटों के सृजन के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। साथ ही, केंद्र सरकार हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग को भी बढ़ावा दे रही है। देश में नए बल्क ड्रग और मेडिकल डिवाइसेस के पार्क भी बनाए जा रहे हैं। इनमें रोजगार के अनेक नए अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं। जल जनित बीमारियों के बचाव के उद्देश्य से, विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की दृष्टि से, ताकि दूषित जल पीने से होने वाली बीमारियों से नागरिकों की रक्षा की जा सके, केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से जल जीवन मिशन चलाया जा रहा है और अभी तक 15 करोड़ परिवारों (भारत की 80 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या) को इस योजना के अंतर्गत नलों के माध्यम से शुद्ध जल उपलब्ध कराया जा चुका है। स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की दृष्टि से भारत में निवासरत नागरिक एक तरह से स्वर्ग में निवास कर रहे हैं।

अन्यथा, अन्य कई विकसित देशों में आज स्वास्थ्य सेवाएं न केवल अत्यधिक महंगी दरों पर उपलब्ध हो रही हैं बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं का समय पर उपलब्ध होना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। अमेरिका में किसी नागरिक को यदि किसी डॉक्टर से अपाइंटमेंट लेना हो तो कभी कभी तो एक माह तक इसका इंतजार करना होता है। इमर्जेन्सी की स्थिति में विशेष इमर्जेन्सी अस्पताल में दिखाना होता है, जहां अत्यधिक महंगी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होती है। यदि किसी नागरिक के पास स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध नहीं है तो सम्भव है कि पूरे जीवन भर की कमाई इन विशेष इमर्जेन्सी अस्पतालों में खर्च हो जाए। अत: स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में अमेरिका में आज डॉक्टर को दिखाकर दवाई लेना अति मुश्किल काम है। इन विकसित देशों के विपरीत, भारत में तो किसी भी मोहल्ले में डॉक्टर को बहुत आसानी से दिखाया जा सकता है एवं तुरंत दवाई ली जा सकती है। आज अमेरिका में स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि वहां के नागरिक बीमार होने की स्थिति में, स्थानीय डॉक्टर से चूंकि तुरंत समय नहीं मिल पाता है अत:, ये बीमार नागरिक आस पास के देशों में जाकर अपना इलाज करा रहे हैं।

ओवरस्पीड में बाइक सवार दंपती से भिड़े राइडर्स, 3 मौत

मरने वालों में मासूम बच्ची, 2 बाइक-राइडर्स, बालोद में नसबंदी कराने जा रहा था परिवार

मीडिया ऑडीटर, बालोद (एजेंसी)। बालोद में धमतरी रोड पर हुए सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। जिनमें एक डेढ़ साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। हादसे में 4 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ओवरस्पीड में तीन बाइकर्स, बाइक से जा रहे दंपती से टकरा गए। हादसे में बाइकर्स हासिर सैय्यद (25) और आनंद कुमार (27) की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों भिलाई पावर हाउस के रहने वाले थे।

शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे हादसा हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक भिलाई से राइडर्स 3 बाइक पर 6 लोग सवार होकर केशकाल के लिए निकले थे। वहीं बरही निवासी अक्षय कुमार यादव (27), पत्नी खिलेश्वरी यादव (25) और डेढ़ साल की बेटी दीक्षा के साथ नसबंदी ऑपरेशन के लिए जिला अस्पताल बालोद के लिए निकले थे।

सांकरा गांव के पास राइडर्स की बाइक और दंपती की बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इसके बाद पीछे से आ रही बाइक भी अनकंट्रोल होकर टकरा गई। हादसे में 2 राइडर और एक मासूम की जान चली गई।

युवक उछलकर डिवाइडर के दूसरी ओर गिरा: बाइक सवार की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद एक युवक उछलकर डिवाइडर के दूसरी ओर जा गिरा, जबकि दूसरे का सिर सड़क पर टकराने से फट गया। हादसे के बाद पुलिस मृतकों के शव और बाइक को पिकअप वाहन में ले गई।

घायलों में भिलाई सेक्टर-2 निवासी जतिन, सेक्टर-8 निवासी रोहन पारिजात, अक्षय कुमार यादव (27) और पत्नी खिलेश्वरी यादव (25) शामिल हैं, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

बाइकर्स की लापरवाही के कारण हुआ हादसा: शुरुआती जांच में सामने आया है कि बाइकर्स तेज रफ्तार में राइडिंग कर रहे थे। लापरवाही से बाइक चलाने की वजह से यह दुर्घटना हुई है।

घायल रोहन परिजात ने बताया कि वे अपने साथियों के साथ भिलाई से केशकाल घूमने जा रहे थे। सुबह 7 बजे यात्रा शुरू हुई थी। वह दूसरी बाइक पर पीछे बैठे थे, जबकि हासिर सैय्यद और आनंद कुमार आगे की बाइक पर सवार थे।

शवों को जिला अस्पताल लाया गया: सैय्यद की बाइक की टक्कर होने के बाद वह और जे जतिन अनकंट्रोल होकर गिर गए, जिससे वे घायल हो गए। फिलहाल, शवों को जिला अस्पताल की मर्च्युरी में रखा गया है, जहां परिजनों के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है।

अवैध प्लाटिंग पर निगम की कार्रवाई

6 निर्माणाधीन स्थलों पर चला बुलडोजर, अवैध सड़कें तोड़ी और बिल्डिंग मटेरियल जब्त की

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर नगर निगम ने तिफरा के डी-ब्लॉक में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। निगम ने छह से अधिक अवैध निर्माण स्थलों पर बुलडोजर चलाया। इस दौरान अवैध रूप से बनाई गई सड़कें तोड़ी गईं और फेंसिंग हटाई गई। नगर निगम के बिल्डिंग अधिकारी सुरेश शर्मा के अनुसार, लोग बिना अनुमति के मकान बना रहे थे। सभी अवैध निर्माण करने वालों को चेतावनी दी गई है। साथ ही उनकी निर्माण सामग्री भी जब्त कर ली गई है।

इन खसरों पर हो रही थी अवैध प्लाटिंग: कार्रवाई में भूरी बाई उर्फ पोखरा पति उपेंद्र कश्यप की दो एकड़ जमीन (खसरा नंबर 151-1, 152-2), रामाधार पूरन सूर्यवंशी की 1.96 एकड़ जमीन (खसरा नंबर 144), रमनदीप सलूजा की एक एकड़ जमीन और तीन अन्य लोगों की जमीन शामिल है।

किसानों से एग्रीमेंट कर हो रही थी अवैध प्लाटिंग: जानकारी के अनुसार, तिफरा के डी-ब्लॉक में अधिकतर जमीन किसानों की है। दलालों ने किसानों से एग्रीमेंट कर अवैध प्लाटिंग शुरू कर दी थी। लोग सस्ते प्लॉट के लालच में ले-आउट, डायवर्सन और कॉलोनाइजर लाइसेंस की जांच किए बिना प्लॉट खरीद रहे थे। इन प्लॉट्स पर मकान भी बनाए जा रहे थे। निगम ने सभी अवैध निर्माण पर रोक लगा दी है।

यदुनंदन नगर में भी कार्रवाई: तिफरा के डी-ब्लॉक के अलावा साईं विहार गेट यदुनंदन नगर के पास भी अवैध प्लाटिंग कर मकान, बाउंड्री बनाई जा रही थी। नगर निगम अमले ने वहां निर्मित अवैध मकान, बाऊंड्री ढहा दी।

सीधे नगर निगम कमिश्नर से हुई थी शिकायत: जानकारी के अनुसार, तिफरा डी ब्लॉक में हो रही अवैध प्लाटिंग की शिकायत सीधे नगर निगम कमिश्नर से की गई थी। इसके बाद उन्होंने बिल्डिंग सेक्शन को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि नगर निगम सीमा विस्तार के बाद इसमें शामिल नए पंचायत वार्डों में अवैध प्लाटिंग की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। इधर, नगर निगम ने संकेत दिए हैं कि अवैध प्लाटिंग के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

रेल्वे ने तोड़े अवैध मकान, बेघर हुए 30-40 परिवार

मुंह में गमछा-पट्टी बांधकर कब्जा करने पहुंचे, अधिकारियों ने समझाया तो वापस लौटे

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। कोरबा शहर के घंटाघर स्थित हेलीपैड नर्सरी के पास अवैध रूप से रह रहे 30-40 मकानों को रेल्वे ने तोड़ दिया है। जिसके बाद प्रभावित परिवार के लोग मुंह में गमछा पट्टी बांधकर कब्जा करने पहुंचे। यह क्षेत्र ऑक्सीजन जोन के रूप में जाना जाता है। कब्जाधारियों का कहना था कि वे के निवासी हैं। रेलवे ने उनके मकान तोड़ दिए हैं। उन्हें कोई पुनर्वास या रहने की व्यवस्था नहीं दी गई है। इसलिए वे यहां कब्जा करने आए हैं। नगर निगम के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जाधारियों को समझाया और कार्रवाई की बात कही जिसके बाद वे वापस लौट गए।

सूचना के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारी: वार्ड पार्षद की पति शैलेंद्र सिंह पपी को जब इसकी जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत नगर निगम और स्श्रष्टरुप्रबंधन को सूचित किया। शुक्रवार (21 मार्च) को मौके पर पहुंचने पर देखा गया कि कुछ लोग यहां कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

समझाने के बाद वापस लौटे कब्जाधारी: नगर निगम के अधिकारियों ने कब्जाधारियों को बताया कि यह ऑक्सीजन जोन है। अगर उन्हें मकान चाहिए तो दादर में बनी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में फॉर्म भरकर आवास प्राप्त कर सकते हैं। कार्रवाई की बात सुनकर सभी लोग वहां से चले गए।

रेल्वे ने जमीन अधिग्रहण की: जानकारी के मुताबिक, कुछ साल पहले रेल्वे ने फूट ओवर ब्रिज बनाने के लिए जमीन अधिग्रहण किया। जिससे अवैध रूप से रह रहे 30-40 परिवारों का घर तोड़ा गया था। रेल्वे में जमीन देने का कोई नियम नहीं है, जिससे उन्हें पूर्ण रूप से हटा दिया गया। बेघर हुए लोगों ने कुछ माह पहले उसी जगह पर कब्जा कर घर बना लिया था लेकिन बाद में उसे भी हटा दिया गया। 21 मार्च को एक बार फिर वे कब्जा करने पहुंच गए। वर्तमान में कब्जाधारी संजय नगर फाटक के पास रह रहे हैं।

डॉक्टर के घर से 3 लाख के कंगन चोरी

कुक ने की चोरी,दो महिलाओं संग सराफा व्यापारियों के पास खपाया चोरी का माल, पांच अरेस्ट

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में डॉक्टर माखीजा के घर से तीन लाख रुपए के हीरा जड़ित सोने के दो कंगन चोरी हो गए। इस चोरी को उनके घर में काम करने वाली कुक ने अंजाम दिया। चोरी के बाद उसने एक कंगन गिरवी रखने और दूसरा बेचने के लिए अपने पहचान की दो महिलाओं को दे दिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने केस में दो सराफा कारोबारी समेत कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, मित्र विहार निवासी डॉक्टर रिया माखीजा अपने घर में सोने की हीरा जड़ित कंगन रखी थी, जो कुछ दिन पहले गायब हो गई। उन्होंने अपने पति डॉक्टर ललित माखीजा को इस घटना की जानकारी दी। उन्हें शक था कि यह चोरी उनके घर की कुक हेमा ध्रुव (सरजू बगीचा निवासी) ने की है। पहले उन्होंने अपने स्तर पर पूछताछ की। लेकिन, कंगन नहीं मिला। तब उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने केस दर्ज कर हेमा से सख्ती से पूछताछ की, जिसमें शुरुआत में वह टालमटोल करती रही। बाद में उसने कंगन चोरी की बात कबूल कर ली।

चोरी के कंगन बेचे और गिरवी रखे गए: पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि दो कंगनों में से एक को उसने अपने पड़ोसी करुणा राजपूत (33) और दूसरे को प्रीति सिंह राजपूत (47) को दी थी। जिसके बाद पुलिस ने करुणा और प्रीति को पकड़कर पूछताछ की। तब पता चला कि करुणा ने एक कंगन को सराफा व्यापारी के पास 45 हजार रुपए में बेच दिया। वहीं, प्रीति ने दूसरे कंगन को सदर बाजार के संतोषी ज्वेलर्स में कंगन को 65 हजार में गिरवी रख दिया। दोनों ने पूछताछ के बाद पुलिस ने मुंगेली के सराफा कारोबारी राजकुमार जैन और संतोषी ज्वेलर्स के संचालक सराफा कारोबारी विजय गांधी को भी पकड़ लिया, जिसके बाद पुलिस ने दोनों कंगन को बरामद कर लिया है। वहीं पुलिस ने पकड़ी गई महिलाओं को छोड़ दिया गया है।

अर्नेश केस का बहाना, जेल नहीं भेजने जमकर वसूली: दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अर्नेश कुमार के केस की सुनवाई के बाद केंद्र और राज्य सरकार को सात साल से कम सजा के केस में आरोपियों को बेल देने का आदेश दिया है। लेकिन, जिले के थानों में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी आरोपियों का चेहरा देखकर कार्रवाई की जा रही है। तारबाहर पुलिस ने चोरी, खरीद-फरोख्त और माल रखने के आरोप में सभी को गिरफ्तार किया। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत थाने से मुचलके पर छोड़ना था। लेकिन, पुलिस ने आरोपियों से 50 हजार से लेकर एक लाख रुपए तक की रकम वसूली कर ली। ऐसे ही अन्य मामलों में भी इस गाइडलाइन की आड़ में मोटी कमाई करने का खेल चल रहा है। पैसे नहीं देने पर आरोपियों को जेल भेजने का भय भी दिखाया जाता है।

कुलदीप साहू की बैरक में मोबाइल-गांजा

पुलिसवाले के परिवार को काट-डाला था, उठी थी एनकाउंटर की मांग, कुख्यात अपराधी दीपक नेपाली भी इसी सेल में

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। अंबिकापुर सेंट्रल जेल में कुख्यात अपराधी कुलदीप साहू और दीपक नेपाली की बैरक में मोबाइल और गांजा मिला है। कुलदीप वही आरोपी है, जिसने सूरजपुर में हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी और बेटी को तलवार से काट डाला था। पुलिसवालों पर गाड़ी चढ़ाई और खौलता तेल डालकर जला दिया था।

वहीं दीपक नेपाली दुर्ग का कुख्यात अपराधी है। अब सेंट्रल जेल में अपराधियों के बैरक में अय्याशी का सामान मिलने के बाद 4 जेल प्रहरियों को सस्पेंड कर दिया गया है। शुक्रवार को सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर और एसपी योगेश पटेल ने सेंट्रल जेल का निरीक्षण किया।

टॉयलेट की सीट पर मोबाइल और गांजा मिला: जानकारी के अनुसार, अंबिकापुर सेंट्रल जेल के हाई सिक्योरिटी वार्ड में संदिग्ध गतिविधि की सूचना प्रहरियों को मिलने के बाद 17 मार्च को बैरक की जांच की गई। हाई प्रोफाइल बैरक में दोहरे हत्याकांड के आरोपी कुलदीप साहू और दुर्ग के कुख्यात अपराधी दीपक नेपाली को रखा गया है। बैरक की टॉयलेट सीट में मोबाइल और गांजा छिपाकर रखा गया था।

कलेक्टर-एसपी पहुंचे सेंट्रल जेल: शुक्रवार को सरगुजा कलेक्टर विलास भोस्कर और एसपसी योगेश पटेल पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सेंट्रल जेल पहुंचे। सरगुजा एसपी योगेश पटेल ने कहा कि कलेक्टर और पुलिस अधिकारी जेल के सुरक्षा मानकों को देखने पहुंचे थे। जेल में मोबाइल और गांजा मिलने की जांच की जा रही है।

अपराधियों तक कैसे पहुंचा अय्याशी का सामान: सेंट्रल जेल में उच्च सुरक्षा बैरक वह बैरक है, जहां कुख्यात अपराधियों को कड़ी निगरानी में रखा जाता है। इस बैरक तक मोबाइल और गांजा कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है। जेल अधीक्षक योगेश सिंह ने कहा कि मोबाइल और गांजा मुलाकातियों के माध्यम से या जेल के किसी कर्मी के माध्यम से पहुंच सकता है।

आंधी-बारिश से ढही राइस मिल की दीवार, 2 की मौत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में दीवार ढहने से 2 मजदूरों दब गए और मौके पर उनकी मौत हो गई। वहीं 6 और मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। रेस्क्यू के बाद सभी घायलों को अस्पताल लाया गया है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। घटना कटघोरा थाना इलाके के न्यू वैष्णवी राइस मिल की है। यहां कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था। शुक्रवार शाम करीब 4 बजे अचानक आई आंधी और बारिश आई। इस दौरान निर्माणाधीन दीवार गिर गई और इसकी चपेट में 8 मजदूर आ गए।

एक महिला, एक पुरुष की मौत: बताया जा रहा है कि, कटघोरा थाना इलाके के लखनपुर बरभांटा गांव में राइस मिल की दीवार बनाई जा रही थी। निर्माणाधीन दीवार करीब 15-17 फीट ऊंची थी। 8 मजदूर इस काम में लगे थे। इसी दौरान ये आंधी के चलते दीवार गिर गई। इसमें 1 महिला मजदूर की मौके पर मौत हो गई। वहीं एक पुरुष मजदूर ने अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया।

घायलों को भेजा अस्पताल: कटघोरा पुलिस को सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची।

नगर निगम महापौर ने एसईसीएल, पीएचई व सीएससीबी के अधिकारियों की ली आवश्यक बैठक

ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट निदान हेतु महापौर ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भीषण गर्मी आते ही पेयजल संकट विकराल रूप ले लेता है। इस संकट से निपटने के लिए नगर पालिक निगम चिरमिरी के प्रथम नागरिक महापौर रामनरेश राय की अध्यक्षता में गुरुवार को महापौर कक्ष में एसईसीएल, पीएचई विभाग एवं छ.ग.रा.वि.मं.मर्या. चिरमिरी के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल प्रदाय व्यवस्था और पेयजल आपूर्ति को लेकर गहन चर्चा हुई, जिसमें महापौर ने पूरे 40 वार्डों में जल संकट की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सुचारू जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि जल आपूर्ति से संबंधित सभी कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें ताकि नागरिकों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। इस दौरान एसईसीएल ने भी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। महापौर रामनरेश राय ने कहा कि नगर निगम, एसईसीएल एवं पीएचई विभाग एक परिवार की तरह कार्य कर रहे हैं और सभी का दायित्व है कि गर्मी के दौरान जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो। जल आपूर्ति व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए और किसी भी प्रकार की समस्या को तत्काल हल किया जाए। इस बैठक में ग्रीष्म ऋतु के दौरान जल संकट से निपटने के लिए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जल आपूर्ति की टैंकर सेवा को मजबूत किया जाएगा ताकि जहां पाइपलाइन से पानी नहीं पहुंच रहा, वहां नियमित रूप से टैंकरों के माध्यम से जल उपलब्ध कराया जाए। नगर निगम नए जल स्रोतों की पहचान करेगा और नए बोरवेल खोदने के साथ-साथ अन्य वैकल्पिक उपायों पर भी विचार किया जाएगा। जल संकट को देखते हुए कुछ वार्डों में राशनिंग सिस्टम लागू करने पर भी मंथन हुआ ताकि पानी का सही उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा, नागरिकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा ताकि लोग पानी का दुरुपयोग न करें और जरूरतमंदों तक पर्याप्त जल पहुंच सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में नगर पालिक निगम के सभापति संतोष सिंह, एमआईसी सदस्य नरेंद्र साहू, राम अवतार, मनीष खटीक, आयुक्त रामप्रसाद आचला, सहायक अभियंता विजय बधावन, सब इंजीनियर विक्टर वर्मा, पीएचई के ई.ई. पी.के. पवार, एसईसीएल के इंजीनियर संजय सिंह, कनिष्ठ अभियंता किंडो व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। नगर निगम की इस पहल से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आगामी गर्मी के मौसम में चिरमिरी के नागरिकों को जल संकट का सामना न करना पड़े और सभी वार्डों में निर्बाध जल आपूर्ति जारी रहे।

विश्व जल दिवस पर विशेष लेख

मुख्यमंत्री की पर्यावरण संतुलन और आर्थिक संवर्धन से जिले में जल संरक्षण की बहुआयामी पहल

एमसीबी। *जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन और सभ्यता की धुरी है। मनुष्य के अस्तित्व से लेकर कृषि, उद्योग और पर्यावरण तक जल की अनिवार्यता स्पष्ट है। लेकिन आज जल संकट एक वैश्विक चुनौती बन चुका है, जिससे भारत भी अछूता नहीं है। प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सतत जल प्रबंधन की दिशा में प्रयासों को तेज करना है। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जल संरक्षण और स्वच्छ जल आपूर्ति के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका प्रभाव पूरे देश और छत्तीसगढ़ राज्य में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।*

जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाने की हुई प्रतिबद्धता: *प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ की मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में इस मिशन को और अधिक प्रभावी बनाया गया है । मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में जल जीवन मिशन की प्रगति को देखें तो अबतक कुल 60,379 नल कनेक्शन पूर्ण किया किया गया है । जबकि जिले की 19 गांवों को शत-प्रतिशत नल कनेक्शन से जोड़ा गया है, जिससे वहां के लोगों को अब स्वच्छ पेयजल की सुविधा सुनिश्चित हो चुकी है। कई गांवों में सौर ऊर्जा आधारित जल आपूर्ति प्रणाली लागू की गई है, जिससे जल आपूर्ति निरंतर बनी रहे।*

छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण की चुनौतियां और उसके संभावनाएं छत्तीसगढ़ जल संसाधनों की दृष्टि से समृद्ध राज्य है। यहां महानदी, हसदेव, शिवनाथ, इंद्रावती, अरपा और खारून जैसी प्रमुख नदियां हैं, जो कृषि, उद्योग और पेयजल कबआपूर्ति के लिए जीवनरेखा का काम करती हैं। लेकिन अनियंत्रित जल दोहन, शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन के कारण राज्य के कई क्षेत्रों में जल संकट गहराता जा रहा है। भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है, जिससे कई जिलों में पानी की कमी देखी जा जाती है। मानसून में अनिश्चितता के कारण कुछ इलाके बाढ़ग्रस्त हो जाते हैं, जबकि अन्य हिस्से सूखे की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में जल संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाना भी जरूरी हो गया है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जल संरक्षण के लिए किया जा रहा सशक्त प्रयास: *केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार ने जल संरक्षण और प्रबंधन के लिए कई योजनाएं चलाई हैं। इनमें "कैच द रेन" अभियान के तहत गांवों और शहरों में जल स्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है। इस अभियान के तहत ग्रामीण इलाकों में पुराने कुओं, तालाबों और झीलों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिससे जल पुनर्भरण की प्रक्रिया को गति मिले। "अटल भूजल योजना" विशेष रूप से भूजल स्तर को सुधारने के लिए बनाई गई है, जिसमें समुदाय-आधारित जल प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा रहा है।*

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में इस योजना के तहत बोरवेल रिचार्जिंग, जल पुनर्भरण संरचनाओं और जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के प्रयास किए गए हैं। वहीं "अमृत सरोवर मिशन" के तहत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में अबतक 96 अमृत सरोवरों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। ये सरोवर जल संरक्षण को बढ़ावा देने, भूजल स्तर में सुधार लाने, और कृषि एवं आजीविका के साधनों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अलावा ये सरोवर सामुदायिक गतिविधियों और पर्यावरणीय संतुलन को भी प्रोत्साहित करते हैं। छत्तीसगढ़ के विभिन्न अमृत सरोवर स्थलों पर संविधान दिवस जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों का आयोजन किया जाता है, जिससे सामुदायिक सहभागिता और जागरूकता में वृद्धि होती है। इन सरोवरों के निर्माण से स्थानीय निवासियों को सिंचाई, मछली पालन और अन्य आर्थिक गतिविधियों के अवसर मिलते हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। इसके अलावा "प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना" के अंतर्गत किसानों को माइक्रो इरिगेशन (ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम) अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे कम पानी में अधिक सिंचाई संभव हो सके। इससे जल की बर्बादी कम होती है और खेती को और अधिक टिकाऊ बनाया जा सकता है। "अमृत योजना" के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में जलापूर्ति और सीवरेज प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए कार्य किए जा रहे हैं, जिससे शहरी जल संकट को दूर करने में मदद मिल रही है।

जल संरक्षण के लिए हर व्यक्ति की जनभागीदारी जरूरी: *छत्तीसगढ़ और पूरे देश में जल संरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाने होंगे। वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देकर भूजल स्तर को पुन: भरना आवश्यक है। स्मार्ट जल प्रबंधन तकनीकों जैसे कि डिजिटल वॉटर मीटरिंग और रियल-टाइम मॉनिटरिंग को लागू किया जाना चाहिए। औद्योगिक इकाइयों को जल पुनर्चक्रण अनिवार्य करना चाहिए, ताकि जल अपव्यय को कम किया जा सके। गांवों में पारंपरिक जल संरचनाओं जैसे तालाबों, बावड़ियों और कुओं का पुनर्निर्माण कर उन्हें जल पुनर्भरण के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। कृषि में पानी की बचत के लिए सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप और स्प्रिंकलर) को बढ़ावा देना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में जल संरक्षण की शिक्षा देकर युवाओं के साथ साथ हर व्यक्ति को भी जल बचाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।*

विश्व जल दिवस के दिन जल संरक्षण का संकल्प लेने का सही समय: *विश्व जल दिवस केवल एक प्रतीकात्मक अवसर नहीं, बल्कि जल संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता जताने और ठोस कार्रवाई करने का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जल संरक्षण के लिए कई प्रभावी योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका लाभ पूरे देश और छत्तीसगढ़ को मिल रहा है। लेकिन केवल सरकार के प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं। हर नागरिक को जल बचाने की दिशा में योगदान देना होगा। यदि हम आज जल संरक्षण के प्रति गंभीर नहीं हुए, तो भविष्य में यह संकट और विकराल रूप ले सकता है। हमें आज ही जल संरक्षण के ठोस उपाय अपनाने होंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध जल भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। जल संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा कर्तव्य है। इस विश्व जल दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम हर बूंद बूंद जल को बचाएंगे, जल स्रोतों का सम्मान करेंगे और जल का विवेकपूर्ण उपयोग करेंगे ।*

पत्नी को मानसिक बीमार बताकर मांगा तलाक

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। कपड़ा व्यावसायी पति ने अपनी पत्नी को मानसिक रूप से बीमार बताकर तलाक की मांग की, जिसे फैमिली कोर्ट ने सबूत के बिना खारिज कर दिया। इस फैसले के खिलाफ पति ने हाईकोर्ट में अपील की। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की डिवीजन बेंच ने कहा कि विवाह को शून्य घोषित करने के लिए ठोस प्रमाण आवश्यक हैं। इस केस में पति ने ऐसा कोई प्रमाण पेश नहीं किया है, जिससे यह साबित हो कि पत्नी मानसिक रूप से बीमार थी। लिहाजा, हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को सही ठहराते हुए अपील खारिज कर दी है। यह मामला रायगढ़ का है।

रायगढ़ के कपड़ा व्यावसायी मुस्लिम समुदाय से हैं। उन्होंने फैमिली कोर्ट में परिवाद प्रस्तुत किया था, जिसमें उन्होंने बताया कि उसका निकाह 29 दिसंबर 2007 को मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था।

महाराष्ट्र सरकार आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज का म्यूजियम बनाएगी

मुंबई/आगरा (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को एक गवर्नमेंट रेजोल्यूशन जारी किया। अब महाराष्ट्र सरकार उत्तर प्रदेश के आगरा की उस जगह (कोठी मीना बाजार) को खरीदेगी, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज मुगलों को औरंगजेब ने नजरबंद किया था। यहां म्यूजियम बनाने की तैयारी है। दरअसल, 19 फरवरी को महाराष्ट्र में एक सभा को संबोधित करते हुए सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा था- आगरा में जहां छत्रपति शिवाजी महाराज को कैद रखा था, वहां पर स्मारक बनाएंगे। महाराष्ट्र सरकार इस जमीन का अधिग्रहण करेगी। मैं खुद योगी आदित्यनाथ से बात करुंगा। इसके बाद 12 मार्च को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि प्रमुख सचिव (पर्यटन) मुकेश मेश्राम आगरा की मीना कोठी बाजार के डॉक्यूमेंट जल्द तैयार कर लें। वर्तमान स्टेटस रिपोर्ट मुझे भेज दें।

हरियाणा-पंजाब का खनौरी बॉर्डर भी खुला

पटियाला (एजेंसी)। किसान आंदोलन की वजह से 13 महीने से बंद हरियाणा-पंजाब का खनौरी बॉर्डर भी शुक्रवार से खुल गया। यहां से दिल्ली-पटियाला हाईवे पर आवाजाही शुरू हो गई। हरियाणा पुलिस ने 20 मार्च को ही यहां से सीमेंट की बैरिकेडिंग हटा दी थी। पंजाब की तरफ से ट्रालियां हटाने में समय लग गया। पंजाब पुलिस ने अंबाला और पटियाला के बीच शंभू बॉर्डर को 20 मार्च को ट्रैफिक के लिए खोल दिया था। इसके बाद दिल्ली-अमृतसर-जम्मू हाईवे पर आवाजाही शुरू हो गई है। पंजाब पुलिस ने 19 मार्च को ये दोनों बॉर्डर किसानों से खाली कराए थे। वहीं, पंजाब के 2 किसान संगठन संयुक्त किसान मोर्चा के पंजाब चैप्टर और भारतीय किसान यूनियन (उगराहां) ने राज्य सरकार की बुलाई मीटिंग का बायकॉट कर दिया। कृषि मंत्री ने चंडीगढ़ स्थित पंजाब भवन में यह मीटिंग बुलाई थी। दोनों संगठनों ने सरकार से बातचीत करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि पहले शंभू-खनौरी बॉर्डर से हिरासत में लिए नेता रिहा किए जाएं, उसके बाद सरकार से कोई बात होगी।

आप ने सौरभ भारद्वाज को दिल्ली का प्रदेश अध्यक्ष बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद आम आदमी पार्टी ने पार्टी में बड़े बदलाव किए। पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज को दिल्ली का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। शुक्रवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के घर पर पार्टी के राजनीतिक मामलों की कमेटी पीएसी की बैठक हुई, जिसमें ये फैसला लिया गया। सौरभ भारद्वाज पूर्व मंत्री गोपाल राय की जगह लेंगे। बैठक में दिल्ली समेत दो राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और 4 राज्यों के नए प्रभारी नियुक्त किए। महराज मलिक जम्मू-कश्मीर के नए प्रदेश अध्यक्ष होंगे। पार्टी ने गोपाल राय को गुजरात का प्रभारी नियुक्त किया है। दुर्गेश पाठक को सह प्रभारी होंगे। मनीष सिसोदिया पंजाब के प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। सत्येंद्र जैन को सह प्रभारी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ का प्रभारी संदीप पाठक को बनाया गया है। पंकज गुप्ता गोवा के प्रभारी होंगे। सौरभ भारद्वाज ने साल 2013 में आप ज्वाइन की थी।

हरियाणा सीएम को पीएम मोदी का नया टास्क

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा को एक और बड़ी जिम्मेदारी दी है। इस बार पीएम मोदी ने जल शक्ति अभियान-कैच द रैन 2025 के छठे संस्करण का राष्ट्र स्तरीय शुभारंभ करना होगा। हरियाणा द्वारा पिछले 10 सालों में राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों की सफलता को देखते हुए प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री सैनी को इस बड़े अभियान के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी है। जल शक्ति अभियान-कैच द रैन के छठे संस्करण का राष्ट्र स्तरीय शुभारंभ पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम से 22 मार्च 2025 को किया जाएगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल मुख्य अतिथि होंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह और सिंचाई एवं जलसंसाधन मंत्री श्रुति चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में जल शक्ति अभियान की शुरुआत 2019 में हुई थी।

इस राष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य जल संचयन, तालाबों और जल स्रोतों का

पुनर्जीवन, मॉनसून के जल का पुन: उपयोग, विलुप्त हो रहे नदी का पुनर्जीवन जैसे महत्वपूर्ण प्रयासों आधारित है। मुख्यमंत्री सैनी के नेतृत्व में हरियाणा पौंड अथॉरिटी का गठन किया गया है। जो प्राचीन तालाबों के पानी को उपचारित कर सिंचाई और अन्य कार्यों के लिए उपयोग करने के प्रति लोगों को प्रेरित कर रही है। यह कार्यक्रम भी उसी कड़ी का हिस्सा है। मुख्यमंत्री सैनी गिरते भू -जल स्तर पर चिंता जाहिर कर चुके हैं। इसको लेकर जनवरी में हुई एक बैठक में सीएम ने पहले फेज के लिए 500 गांवों के भू-जल को रिचार्ज करने का लक्ष्य तय किया है। साथ ही इसको पूरा करने के लिए एक टाइम भी फिक्स किया है। प्रधानमंत्री भी भू-जल स्तर के नीचे गिरने पर चिंता जता चुके हैं।

प्रधानमंत्री कह चुके हैं कि भूजल का कम होना देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और इस चुनौती से निपटने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा।

दिल्ली हाईकोर्ट जज के बंगले पर मिले 15 करोड़ कैश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट जज यशवंत वर्मा के घर पर मिले 15 करोड़ कैश की घटना को सुप्रीम कोर्ट ने अफवाह बताया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है इस मामले से जुड़ी जो भी खबरें फैलाई जा रही हैं, वे गलत हैं।

दरअसल 21 मार्च की सुबह खबर आई थी कि होली की छुट्टियों के दौरान जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले पर आग लगी थी। उस वक्त वे घर पर नहीं थे। परिवार ने फायर ब्रिगेड को आग लगने की जानकारी दी। टीम जब आग बुझाने गई तब उन्हें कैश मिला था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले पर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सीजेआई संजीव खन्ना को प्राइमरी रिपोर्ट सौंपेंगे। इसकी जांच के बाद आगे की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड बयान के मुताबिक, जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर करने का प्रस्ताव स्वतंत्र और इन हाउस जांच प्रक्रिया से

अलग है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि जज वर्मा के घर में कैश मिलने के बाद कॉलेजियम ने उनका ट्रांसफर वापस इलाहबाद हाईकोर्ट कर दिया है। उधर, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जस्टिस वर्मा के वापस इलाहाबाद ट्रांसफर का विरोध किया। एसोसिएशन का कहना है कि कॉलेजियम के फैसले से गंभीर सवाल उठ रहा है कि क्या हम कूड़ादान हैं। महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने की चर्चा - कॉलेजियम के कुछ सदस्यों का सुझाव था कि जस्टिस वर्मा से इस्तीफा मांगा जाना चाहिए। अगर वे इनकार करते हैं, तो संसद में उन्हें हटाने के लिए महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। सूत्रों के मुताबिक ट्रांसफर की सिफारिश के साथ उनके खिलाफ जांच और महाभियोग चलाए जाने की चर्चा है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने इस मुद्दे को सदन में उठाते हुए ज्यूडिशियल अकाउंटेबिलिटी पर चर्चा की मांग की। राज्यसभा के चेयरमैन और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है और वह इस मुद्दे पर एक स्ट्रक्चर्ड डिस्कशन करवाएंगे। जयराम रमेश ने कहा- आज सुबह हमने एक चौंकाने वाली खबर पढ़ी, जिसमें दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के घर से भारी मात्रा में नकदी बरामद होने की बात सामने आई है।

कर्नाटक विधानसभा में मुस्लिम आरक्षण पर हंगामा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा में शुक्रवार को सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4 प्रतिशत आरक्षण देने के मामले में भाजपा विधायकों ने जमकर हंगामा किया। आर अशोक के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने आरक्षण बिल की कॉपी फाड़कर स्पीकर की ओर फेंक दी।

इसके बाद स्पीकर यूटी खादर ने मार्शलों को बुलाकर हंगामा कर रहे विधायकों को सदन से बाहर करवा दिया। साथ ही भाजपा के 18 विधायकों को विधानसभा की कार्यवाही से 6 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया।हंगामे के बीच सरकार ने मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों की सैलरी 100 प्रतिशत बढ़ाने का बिल पास कर दिया। विधेयक को कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के. पाटिल ने पेश किया। इसके पारित होने से मुख्यमंत्री का वेतन 75 हजार रुपए से बढ़कर 1.5 लाख रुपए प्रतिमाह हो जाएगा। विधान परिषद के सभापति और विधानसभा अध्यक्ष का वेतन 75 हजार रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए हो जाएगा।

20 मार्च को सरकार ने कर्नाटक विधानमंडल वेतन, पेंशन और भत्ते (संशोधन) विधेयक, 2025 और कर्नाटक मंत्रियों के वेतन और भत्ते (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दी। इन विधेयकों के तहत मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों की सैलरी में 100त्न बढ़ाई गई है।

मेरठ सौरभ हत्याकांड, मुस्कान-साहिल को पुलिस शिमला लेकर जाएगी

मेरठ (एजेंसी)। यूपी के मेरठ में मर्चेंट नेवी अफसर सौरभ हत्याकांड में अब नए-नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि वारदात के बाद जो मां आरोपी मुस्कान को थाने लेकर गई थी और उसे फांसी देने की मांग कर रही थी, वह मुस्कान की सौतेली मां है। उसके पिता ने मुस्कान की मां की मौत के बाद उसकी मौसी कविता रस्तोगी से शादी की है। आरोपी साहिल की मां की मौत करीब 16 साल पहले हो चुकी है। उसके पिता नीरज ने भी दूसरी शादी कर ली है। सौतेली मां से साहिल की नहीं बनती थी। इसलिए वह नानी

के साथ रहता था। उसकी सौतेली मां नोएडा में रहती है। सौरभ के 4 टुकड़े करने के बाद मुस्कान और साहिल ने 15 दिन के लिए मेरठ से टैक्सी बुक की। इससे दोनों मेरठ से शिमला, मनाली और कसौल गए। पुलिस दोनों आरोपियों और टैक्सी चालक को लेकर जल्द उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जाएगी। जहां-जहां साहिल और मुस्कान रुके थे, वहां जांच करेगी और लोगों से पूछताछ करेगी। इस बीच, मुस्कान के कुछ विजुअल भी सामने आए हैं।

भारत से ज्यादा खुश पाकिस्तान और नेपाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में सबसे खुशहाल देश फिनलैंड है। इस मामले में फिनलैंड ने लगातार आठवें साल नंबर-1 रैंकिंग बरकरार रखी है। वेलबीइंग रिसर्च सेंटर, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने 20 मार्च यानी वर्ल्ड हैप्पीनेस डे पर वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स 2025 जारी किया। सबसे खुशहाल देश के रूप में फिनलैंड 7.7 पाइंट के साथ पहले पायदान पर है। फिनलैंड के अलावा, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन टॉप चार में बने हुए हैं। ये सभी नॉर्डिक देश भी कहे जाते हैं। 147 देशों की इस लिस्ट में भारत 4.3 पाइंट के साथ इस बार 118वें स्थान पर रहा है। पिछली बार भारत लिस्ट में 126वें स्थान पर रहा था। इस मामले में भारत, पाकिस्तान और नेपाल से भी पीछे है।

हैप्पीनेस इंडेक्स में भारत पिछले साल के मुकाबले आठ पायदान ऊपर आया है। हालांकि, पाकिस्तान भारत से ऊपर है। 2025 की हैप्पीनेस लिस्ट में पाकिस्तान को 109वां स्थान मिला है। वहीं नेपाल भी भारत से ऊपर रहा, उसे 92वां स्थान मिला है।जबकि श्रीलंका (133) और बांग्लादेश (134) भारत से पीछे हैं। इन देशों की रैंकिंग उन जवाबों पर आधारित थी जो लोगों ने अपने जीवन को रेट करने के लिए पूछे जाने पर दिया।

राबड़ी बोलीं- नीतीश का दिमाग खराब, बेटे को सीएम बनाएं

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में शुक्रवार को नीतीश के राष्ट्रगान के अपमान करने के मुद्दे पर जोरदार हंगामा होता रहा। सदन के अंदर और बाहर विपक्ष ने पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। कार्यवाही शुरू होने से पहले आरजेडी ने सीएम नीतीश कुमार से इस्तीफे की मांग की। सदन के बाहर पोर्टिको में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी हाथ में बैनर लिए खड़े दिखे। विपक्ष के हंगामे के कारण आज सिर्फ 22 मिनट ही सदन की कार्यवाही चल पाई। नेता

प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा- बिहार के लिए कल काल दिवस था। पीएम मोदी के लाडले सीएम ने राष्ट्रगान का अपमान किया है। लाडले सीएम पर पीएम क्या कहेंगे। भारत माता की जय करने वाले बीजेपी के दोनों डिप्टी ष्टरू गायब हैं। कल हम सब का सिर शर्म से झुक गया है। इंडिया की राजनीति में पहली ऐसी घटना है,जहां राष्ट्रगान का अपमान हुआ है। पीएम मोदी ने एक ट्वीट तक नहीं किया। ष्टरू नीतीश कुमार को रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। राष्ट्रगान को अपमान करने वाले को तीन साल की सजा होती है। विधान परिषद में भी राष्ट्रगान के अपमान पर हंगामा हुआ। कार्यवाही के दौरान राबड़ी देवी का माइक बंद हो गया। उन्होंने माइक चालू कराने की मांग की।

नागपुर हिंसा- दौरे पर जाएंगे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शुक्रवार शाम को नागपुर पहुंचेंगे। 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र के विरोध में हुए प्रदर्शन के बाद अपने होम सिटी में यह उनकी पहली यात्रा है। मुख्यमंत्री फडणवीस रात को नागपुर में ही रुकेंगे। उन्होंने मंगलवार को राज्य विधानसभा में कहा था कि नागपुर में हुई हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों बख्शा नहीं जाएगा।

वहीं नागपुर हिंसा में गिरफ्तार किए गए 17 लोगों को लोकल कोर्ट ने 22 मार्च तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। आरोपियों को गुरुवार रात मजिस्ट्रेट मैमुना सुल्ताना के समक्ष पेश किया गया था, इस दौरान पुलिस ने आरोपियों की सात दिनों की कस्टडी मांगी थी। गणेशपेठ पुलिस थाने में दर्ज की गई एफआईआर के सिलसिले में इन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर 17 मार्च को नागपुर में हुई हिंसा के मामले में मास्टरमाइंड फहीम समेत 6 आरोपियों के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज हुआ था। फहीम पर 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा करने और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप है। पुलिस ने अब तक 84 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें विश्व हिंदू परिषद के भी 8 कार्यकर्ता शामिल हैं। साइबर सेल ने अफवाह फैलाने और हिंसा भड़काने के मामले में 34 सोशल मीडिया अकाउंट पर कार्रवाई की, साथ ही 10 एफआईआर की गई। इसके अलावा पुलिस ने बुधवार को मामले में बांग्लादेश कनेक्शन मिलने का दावा किया था।

सोमवार रात हुई हिंसा में 33 पुलिसकर्मी घायल हुए थे, जिनमें ष्टष्टक्र रैंक के तीन अधिकारी भी शामिल हैं। दंगाइयों ने वाहनों में तोड़फोड़ की, पेट्रोल बम फेंके, पथराव किया और कुछ घरों पर हमला भी किया था।

नागपुर हिंसा में आरोपी फहीम खान की भूमिका को लेकर साइबर डीसीपी लोहित माटानी ने बताया कि फहीम ने औरंगजेब के खिलाफ हुए प्रदर्शन का वीडियो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल किया, जिससे माहौल बिगड़ा और हिंसा फैली।

आरएसएस के मंच पर मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

बेंगलुरु (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) की 3 दिन की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा शुक्रवार को बेंगलुरु में शुरू हुई। बैठक के शुरुआत में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, तबला वादक जाकिर हुसैन, प्रीतीश नंदी समेत संघ के दिवंगत कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी गई। संघ के सह सरकार्यवाह सीआर मुकुंद ने मणिपुर की स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मणिपुर बीते 20 महीनों से बुरे दौर से गुजर रहा है, लेकिन केंद्र सरकार के कुछ राजनीतिक और प्रशासनिक फैसलों के बाद अब उम्मीद की किरण नजर आ रही है। हालांकि, राज्य में हालात सामान्य होने में अभी लंबा समय लगेगा। उन्होंने तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच चल रहे भाषा और परिसीमन विवाद पर कहा- कुछ ताकतें हैं, जो देश की एकता को चुनौती दे रही हैं।

वह उत्तर और दक्षिण के बीच बहस को बढ़ावा दे रही हैं। चाहे वह परिसीमन की डिबेट हो या भाषा की डिबेट। उन्होंने कहा कि ये ज्यादातर राजनीति से प्रेरित हैं। उन्होंने

कहा कि सभी सोशल ग्रुप को साथ आना होगा। यह सही नहीं है कि हम आपस में लड़ें। अगर कोई दिक्कत है तो उसे मिलकर, सद्भावना से हल किया जा सकता है। हमारे स्वयंसेवक और अलग अलग विचार परिवार के लोग सद्भावना की पूरी कोशिश कर रहे हैं, खासकर दक्षिण भारत के राज्यों में। मातृभाषा को प्राथमिकता, इंग्लिश को बताया जरूरी सीआर मुकुंद ने कहा कि संघ का हमेशा जोर यही रहा है कि मातृभाषा में ही पढ़ाई हो। सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि जहां भी संभव हो मातृभाषा का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दो भाषा या तीन भाषा फॉर्मूला को लेकर संघ का कोई रिजॉल्यूशन नहीं है, लेकिन मातृभाषा को लेकर संघ का रिजॉल्यूशन है। हमारा मानना है कि समाज में भी हमें कई भाषाएं सीखनी चाहिए। एक मातृभाषा और दूसरी मार्केट लैंग्वेज सीखनी चाहिए। तमिलनाडु में हैं तो तमिल, दिल्ली में हैं तो हिंदी सीखने की जरूरत होगी। इसी तरह करियर लैंग्वेज जैसे इंग्लिश या दूसरी भाषा भी जरूरी हैं। बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न पर प्रस्ताव आएगा अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा 2025 की शुरुआत सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर की।

इस बार संघ की प्रतिनिधि सभा में कुल 1482 स्वयंसेवक और पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। इस बैठक में संघ की कार्य विस्तार की योजना पर चर्चा होगी। इसके अलावा बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न और संघ की 100 साल की यात्रा पर प्रस्ताव लाया जाएगा। संघ के 100 साल पूरे होने पर मंथन इस साल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने जा रहे हैं। ऐसे में बैठक में संघ के विस्तार और सामाजिक कार्यों पर चर्चा हो रही है। इस मौके पर सीआर मुकुंद ने कहा कि बैठक में यह मूल्यांकन भी किया जाएगा कि संघ अब तक समाज में कितना बदलाव ला पाया है और आगे किन क्षेत्रों में अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

ड्राइवर ने बस को आग लगाई, 4 की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे के हिंजवड़ी इलाके में बुधवार सुबह एक निजी कंपनी की बस में आग लगने से चार कर्मचारियों की मौत हो गई थी और छह लोग झुलस गए थे। पहले इसे हादसा माना जा रहा था, लेकिन पुलिस जांच में साजिश का खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि ड्राइवर ने ही खुद बस में आग लगाई थी। वो वेतन कटौती से नाराज था। पिंपरी चिंचवाड़ पुलिस के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस विशाल गायकवाड़ ने बताया कि जांच में पता चला है कि आग एक दुर्घटना नहीं थी। आरोपी ड्राइवर जनार्दन हंबरडेकर का कुछ कर्मचारियों के साथ विवाद था और वह बदला लेना चाहता था। वह वेतन कटौती की वजह से भी नाखुश था।

डीसीपी ने बताया कि आरोपी ने ज्वलनशील रसायन बेंजीन खरीदा था। उसने बस में टोनर पोंछने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला कपड़ा भी रखा था। जब बस हिंजवाड़ी के पास पहुंची, तो उसने माचिस जलाई और कपड़े में आग लगा दी। इसके बाद आरोपी चालक ड्राइवर चलती बस से कूद गया। बस करीब सौ मीटर चलने के बाद रुक गई। हंबरदेकर भी बस से बाहर निकलने से पहले ही जल चुका था। आरोपी ड्राइवर हंबार्डिकर मामूली रूप से घायल होने के बावजूद वह पुलिस को देख बार-बार बेहोश होने का नाटक करता रहा। यह मामला वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कन्हैया थोरात ने देखा तो संदेह हुआ। इसके बाद पुलिस ने उससे पूछताछ शुरू की। वह फिर भी अस्पष्ट जवाब दे रहा था. इस बीच, घटनास्थल के पास स्थित एक कंपनी के सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि ड्राइवर सीट के नीचे कुछ जला रहा था। इसके बाद पुलिस ने गहन पूछताछ की तो आरोपी ने जुर्म कबूल कर लिया। ड्राइवर का अस्पताल में इलाज चल रहा है और बाद में उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

पूछताछ में आरोपी ड्राइवर ने बताया कि उसके साथ कंपनी के अन्य कर्मचारियों ने अपमानजनक व्यवहार किया था। दो दिन पहले उसने डिब्बे से रोटी भी नहीं खाने दी थी। इसके अलावा दिवाली के दौरान वेतन भी काट लिया गया। आरोपी ड्राइवर गाड़ी में बैठे तीन लोगों से नाराज था। उसने उन्हें सबक सिखाने के लिए घटना को अंजाम दिया। दरअसल, बुधवार को बस में आग लगने से चार कर्मचारियों शंकर शिंदे (63), राजन चव्हाण (42), गुरुदास लोकरे (45) और सुभाष भोसले (44) की मौत हो गई थी। वे बस में पीछे बैठे थे और समय पर इमरजेंसी गेट नहीं खोल पाए। इसके अलावा छह यात्री झुलस गए थे।

धनश्री और युजवेंद्र चहल का रिश्ता खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के गेंदबाज युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा पिछले काफी समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। दोनों ने अपने तलाक की खबरों की वजह से खूब सुर्खियां बटोरी। सोशल मीडिया के जरिए दोनों ने अलग होने का ऐलान किया था। ऐसे में अब उनका ऑफिशियली तलाक हो गया है। तलाक याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट को 20 मार्च को फैसला करने का आदेश दिया था। ऐसे में अब इस पर कोर्ट ने इनके रिश्ते पर फैसला कर दिया है, जिस पर सुनवाई के बाद ऑफिशियल वकीलका पहला रिएक्शन भी सामने आया है। इसमें उन्होंने जानाकरी शेयर की कि, ये रिश्ता खत्म हो गया है। आईपीएल 2025 22 मार्च से शुरू हो रहा है। जिसके बाद चहल उपलब्ध नहीं हो पाते। जिस कारण से तलाक याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट को 20 मार्च को फैसला कनरे का आदेश दिया था। ऐसे में अब इस पर फैसला हो चुका है। कपल की चार साल पुरानी शादी और रिश्ता ऑफिशियली खत्म हो गया है।

हालांकि, दोनों पहले ही एक-दूसरे से अलग हो गए थे। वो साथ में नहीं रह रहे थे। धनश्री और युजवेंद्र चहल के तलाक पर फैसले के बाद वकील ने भी मीडिया से बात की और इनके तलाक पर ऑफिशियली मुहर लगा दी है। धनश्री और चहल के तलाक पर फैसले के बाद वकील का पहला रिएक्शन आ चुका है।

अब आईपीएल के ये नियम बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 मार्च से आईपीएल 2025 का आगाज होने जा रहा है। इससे पहले गुरुवार को सभी टीमों के कप्तानों ने मीटिंग की, ये मीटिंग बीसीसीआई के हेडक्वार्टर मुंबई में रखी गई। इस बीच आईपीएल के कई नियमों में बदलाव की खबर सामने आई है। इसमें गेदंबाजों को लेकर अहम फैसला हुआ है। बीसीसीआई ने गेंद पर लार के इस्तेमाल पर लगे बैन को हटा दिया है। अब गेंदबाज मैच के दौरान गेंद पर लार का इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही और भी निमय बदले हैं। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार मीटिंग में कई अहम फैसले हुए हैं। इसमें गेंद पर लार के इस्तेमाल को लेकर छूट दी गई है। बीसीसीआई ने पहले गेंद पर लार के इस्तेमाल को बैन कर दिया था। इसके साथ ही एक और बड़ा नियम बदला है। मैच के दौरान दूसरी गेंद को लेकर एक नियम बना है। इसके तहत दूसरी गेंद आईपीएल मैच की दूसरी पारी के 11वें ओवर के बाद आएगी। ये नियम रात के समय ओस के प्रभाव को देखते हुए लाया गया है। दरअसल, बीसीसीआई ने कोरोना काल के कारण गेंद पर लार का इस्तेमाल प्रतिबंधित कर दिया था। आईसीसी ने भी इसको लेकर बैन लगाया था। लेकिन अब इस नियम को बदल दिया गया है। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बीते दिनों लार के इस्तेमाल पर लगे बैन को हटाने की मांग की थी। आईपीएल के इस सीजन का पहला मैच केकेआर और आरसीबी के बीच खेला जाएगा। ये मुकाबला ईडन गार्डन्स में 22 मार्च को आयोजित होगा। टूर्नामेंट का पहला क्वालीफायर 20 मई को हैदराबाद में खेला जाए।

आईपीएल 2025 में इस नियम की हो सकती है वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में गेंदबाजों को काफी फायदा मिलेगा, क्योंकि आईपीएल के इस सत्र में गेंद पर लार लगाने पर से प्रतिबंध हट जाए। बीसीसीआई में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई है। आईपीएल की सभी टीमों के कप्तानों का फोटोशूट मुंबई में आज यानी गुरुवार 20 मार्च को होना है। इसी दौरान आईपीएल की सभी टीमों के कप्तानों के सामने इस प्रस्ताव को रखा जाएगा। अगर वे सहमत होते हैं तो फिर लार का यूज गेंदबाज इसी सीजन से कर सकते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी ने कोरोना महामारी के दौरान एहतियात के तौर पर गेंद को चमकाने के लिए उस पर लार लगाने से बरसों पुराने चलन पर प्रतिबंध लगा दिया था। आईसीसी ने 2022 में ये प्रतिबंध स्थायी कर दिया था। आईपीएल ने भी कोरोना महामारी के बाद ये प्रतिबंध टूर्नामेंट की प्लेइंग कंडीशन्स में शामिल किया, लेकिन आईपीएल के दिशा निर्देश आईसीसी के अधिकार क्षेत्र से परे हैं। अगर बोर्ड चाहता है तो इस नियम को फिर से लागू किया जा सकता है कि गेंदबाज लार गेंद पर लगा सकते हैं। बीसीसीआई के एक आला अधिकारी ने पीटीआई को बताया, कोरोना से पहले गेंद पर लार लगाना आम बात थी। अब कोरोना का खतरा नहीं है तो आईपीएल में गेंद पर लार लगाने पर लगा प्रतिबंध हटाने में कोई बुराई नहीं है।

आईपीएल के लिए नियमों में हुआ बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का आगाज कल यानी 22 मार्च से हो रहा है। इससे पहले आईपीएल के नियमों में काफी बदलाव हुआ है। अब गेंदबाज गेंद पर लार लगा सकते हैं साथ ही दूसरी पारी में नई गेंद का इस्तेमाल और वाइड गेंदों के लिए हॉक आई का इस्तेमाल कर सकते हैं। जानें आईपीएल के 18वें सीजन के लिए क्या-क्या बदलाव हुए।

आईपीएल में वाइड गेंदों को लेकर कई बार विवाद की स्थिति आई है। बता दें कि, मुंबई और चेन्नई के मैच में कीरेन पोलार्ड ने जमकर विरोध किया था। उस दौरान अंपायरों से भी उनकी बहस हुई थी। अब ऐसी नौबत न आए, इसके लिए वाइड बॉल के लिए हॉक आई टेक्नीक का इस्तेमाल होगा। इसका इस्तेमाल करके अंपायर खिलाड़ी के ऊपर से जाने वाली गेंद और ऑफ स्टंप के बाहर जोने वाली गेंद के बारे में फैसला ले सकेंगे।

सलाइवा बैन हटा : वहीं आईपीएल 2025 में एक और अहम बदलाव हो आया है वह है सलाइवा बैन से प्रतिबंध हटना। असल में गेंदबाज गेंद को चमकाने के लिए थूक का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कोरोना आने के बाद साल 2022 में आईसीसी ने ऐसा करना प्रतिबंधित कर दिया। इसके पीछे वजह क्रिकेटरों को कोरोना संक्रमण से बचाना था। अब सभी कप्तानों की सहमति मिलने के बाद बीसीसीआई ने आईपीएल में इस नियम को हटा दिया है।

आईपीएल के कई मैचों में ओस एक अहम भूमिका निभाती है। इसके चलते कई बार दूसरी पारी मं गेंदबाजी करने वाली टीम को नुकसान उठाना पड़ता है। गेंद ओस से गीली हो जाने के चलते गेंदबाजों को इस पर नियंत्रण नहीं रह जाता है और बल्लेबाज रन नहीं जुटा पाते हैं। आईपीएल में इस फैक्टर से निपटने के लिए दूसरी पारी के 11वें ओवर में नई गेंद के इस्तेमाल का प्रावधान किया जा रहा है। एक बीसीसीआई अधिकारी के अनुसार ये नियमों में बदलाव नहीं है। ये मैच खेल रही दोनों टीमों और अंपायरों की सहमति से लिया जाने वाला फैसला होगा। ये नियम भी रात वाले मैचों में लागू होगा।

ओवर रेट के लिए कप्तानों पर बैन नहीं: अभी तक ओवर रेट के लिए कप्तानों पर बैन लगता था। लेकिन इस आईपीएल सीजन में ओवर रेट के लिए कप्तानों पर प्रतिबंध नहीं लगेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी जगह कप्तानों को डिमेरिट प्वॉइंट्स दिए जाएंगे। हां बहुत ज्यादा स्थिति खराब होने पर बैन भी लगाया जा सकता है। 2024 के सीजन मं ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या को इस तरह के बैन का सामना करना पड़ा था। पंत तो आरसीबी के खिलाफ एक बेहद अहम मुकाबला खेलने से चूक गए थे।

राजस्थान रॉयल्स का प्रोफाइल और विश्लेषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स (जिसे अक्सर ऋभी कहा जाता है) जयपुर, राजस्थान में स्थित एक पेशेवर फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट टीम है, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में प्रतिस्पर्धा करती है। 2008 में शुरुआती आठ आईपीएल फ्रेंचाइजी में से एक के रूप में स्थापित, टीम का स्वामित्व मनोज बडाले और द रॉयल्स स्पोर्ट्स ग्रुप के पास है। रॉयल्स टीम जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में स्थित है। यह अपने घरेलू मैच सवाई मानसिंह स्टेडियम और एसीए स्टेडियम, गुवाहाटी में खेलती है। टीम ने टीम इंडिया के पूर्व कोच और राजस्थान रॉयल्स के पूर्व खिलाड़ी और मेंटर राहुल द्रविड़ को आईपीएल 2025 के लिए मुख्य कोच के रूप में घोषित किया है। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन हमेशा से ही अच्छा रहा है। टीम ने शेन वार्न की कप्तानी में आईपीएल के उद्घाटन सीजन को जीता। रॉयल्स राहुल द्रविड़ की कप्तानी में 2013 चैंपियंस लीग टी 20 के उपविजेता भी थे, और संजू सैमसन की कप्तानी और कुमार संगकारा के नेतृत्व में 2022 इंडियन प्रीमियर लीग के उपविजेता हैं। टीम ने 2024 इंडियन प्रीमियर लीग में प्लेऑफ़ के लिए क्वालीफाई कर लिया है, लेकिन संजू सैमसन की कप्तानी और कुमार संगकारा

के नेतृत्व में क्वालीफायर 2 में सनराइजर्स हैदराबाद से 36 रनों से हार गई। राजस्थान रॉयल्स 2008 में आईपीएल के उद्घाटन सत्र में मूल आठ टीमों में से एक थी। इमर्जिंग मीडिया ने 67 मिलियन डॉलर की बोली के साथ जयपुर स्थित फ्रैंचाइज़ी टीम का स्वामित्व हासिल किया, जिससे यह लीग की सबसे कम खर्चीली टीम बन गई।

2015 में, लोढ़ा समिति की जांच के बाद टीम को दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। राजस्थान रॉयल्स विवाद का स्रोत बन गया जब अनुचित और काल्पनिक बोलियाँ लगाई गईं, जिससे बीसीसीआई के मानदंडों का उल्लंघन हुआ। रंजीत बारठाकुर और फ्रेजर कैस्टेलिनो टीम के केवल दो शेयरधारक थे, जो उस समय बीसीसीआई के लिए पूरी तरह से अज्ञात थे। दोनों के बीच अदालत के बाहर समझौता हुआ।उद्धरण वांछित 2015 में, राजस्थान रॉयल्स को बीसीसीआई द्वारा दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था, इसके मालिक राज कुंद्रा पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया था। राजस्थान रॉयल्य साल 2008 में चैंपियन बनी। 2009 में छठे स्थान पर रही। 2009 में प्रदर्शन ज्यादा गिरा और टीम छठे स्थान पर रही। 2010 में प्रदर्शन बेहद लचर रहा और टीम सातवें स्थान पर रही। 2011 में भी टीम के प्रदर्शन में खास सुधार नहीं आया और वह छठे स्थान पर रही। 2012 में राजस्थान रॉयल्स की टीम सातवें स्थान पर रही। 2013 में राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में टीम ने अपना प्रदर्शन सुधारा और तीसरे स्थान पर रही। हालांकि, इसी साल टीम के कई खिलाड़ी स्पॉट फिक्सिंग में धराए। 2-14 में टीम पांचवें जबकि 215 में चौथे स्थान पर रही। इसके बाद रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स को दो साल के लिए बैन झेलना पड़ा। 2018 में अजिंक्य रहाणे के कप्तान चुने गए इस साल टीम चौथे स्थान पर रही। 2019 में स्टीव स्मिथ की बैन से वापसी हुई लेकिन टीम नीचे से दूसरे यानी सातवें स्थान पर रही।

वहीं साल 2021 में टीम ने कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया तो कुछ में निराश किया। संजू सैमसन की कप्तान में टीम सीजन में सातवें स्थान पर रही। तो 2022 में टीम ने अपने प्रदर्शन में बेहतरीन सुधार किया और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रही। टीम बाद में फाइनल में पहुंची लेकिन खिताब नहीं जीत पाई।

साथ ही टीम साल 2023 में प्लेऑफ में जगह बनाने में असफल रही। तो टीम ने 2022 में फाइनल तक पहुंचने के बाद 2023 में बेहतरीन प्रदर्शन नहीं किया। वहीं साल 2024 में संजू सैमसन की कप्तानी में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। टीम ने टॉप-4 में जगह बनाई।

चहल ने अपनी टी-शर्ट से दिया स्पेशल मैसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल और डांसर धनश्री वर्मा का आखिरकार तलाक हो गया। दिसंबर 2020 में शादी करने के बाद दोनों जून 2022 से अलग रह रहे थे। पिछले ढाई साल से एक-दूसरे से अलग रहने के बाद दोनों अब कानूनी तौर पर शादी के बंधन से आजाद हो गए। मुंबई के बांद्रा स्थिति फैमिली कोर्ट में युजवेंद्र चहल-धनश्री वर्मा के तलाक के मुकदमे पर अंतिम फैसला सुनाया गया। वकीलों ने बाहर आकर इसकी जानकारी दी। इस दौरान युजवेंद्र चहल भी उनके साथ थे। उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, उनकी टी-शर्ट पर लिखे विशेष संदेश जरूर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

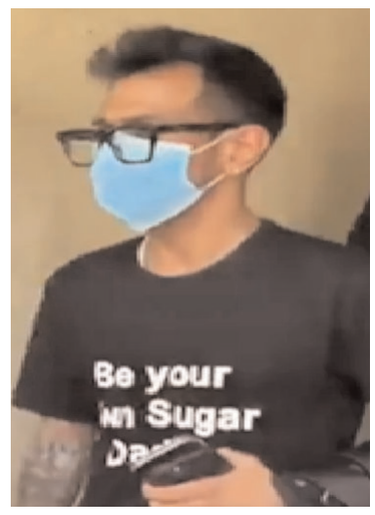

युजवेंद्र चहल जब बांद्रा स्थित फैमिली कोर्ट पहुंचे तो उन्होंने टी-शर्ट पहन रखी थी। उसके सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। युजवेंद्र चहल ने काले रंग की टी-शर्ट पहन रखी थी। टी-शर्ट पर लिखा था, वित्तीय रूप से सक्षम और स्वतंत्र बनाना और अपनी जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए किसी और पर निर्भर रहने के बजाय खुद पर निर्भर रहना है।

चहल का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। साथ ही फैंस का कहना है कि चहल की टी-शर्ट पर लिखा संदेश कहीं ना कहीं धनश्री के लिए है। चहल के साथ तलाक के बाद धनश्री को कुल 4.75 करोड़ रुपये देने पर सहमति बनी है। इसके अलावा दोनों पिछले ढाई साल से एक-दूसरे से अलग रह रहे थे, इसलिए कहा जा रहा है कि इस संदेश के पीछे कोई वित्तीय पहलू है। वर्तमान में इस बात पर चर्चा चल रही हैकि इस संदेश का अर्थ ये है कि अगर आपकी कुछ काल्पनिक आवश्यकताएं हैं तो आपको उन्हें पूरा करने लिए पर्याप्त धन अर्जित करना चाहिए न कि दूसरों पर बोझ डालना चाहिए या उन्हें परेशान करना चाहिए।

पंजाब किंग्स का प्रोफाइल और विश्लेषण, जानें टीम का इतिहास, मालिक और फुल स्क्वॉड

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग की संस्थापक फ्रेंचाइजी में से एक पंजाब किंग्स, 2008 में अपनी शुरुआत के बाद से अपने पहले खिताब की तलाश जारी रखे हुए है। पंजाब ने लीग में सफलता पाने के लिए लगातार संघर्ष किया है, अब तक अपने 17 प्रयासों में से केवल एक बार (2014 में) फाइनल तक पहुंच पाया है। पिछले सीजन में भी टीम को निराशा हाथ लगी थी, क्योंकि वे मुंबई इंडियंस से कुछ ही आगे नौवें स्थान पर रहे थे। हालांकि, इस फ्रैंचाइजी ने आखिरकार प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर कब्जा करने के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

नया कप्तान, नई शुरुआत

आईपीएल के 18वें सीजन में पंजाब किंग्स ने सबसे बड़ा बदलाव अपने कप्तान के रूप में किया है। फ्रेंजाइजी ने श्रेयस अय्यर को आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में कुल 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा।

अय्यर पिछले सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान थे जिनकी कप्तानी में केकेआर ने आईपीएल 2024 का खिताब अपने नाम किया। उनके नेतृत्व के गुण और मध्यक्रम में एक सिद्ध रिकॉर्ड उन्हें पंजाब के अभियान की अगुआई करने के लिए आदर्श विकल्प बनाते हैं। बल्लेबाजी लाइनअप में अय्यर की मौजूदगी स्थिरता प्रदान करती है, जबकि टीम के लिए एंकर और गति बढ़ाने की उनकी क्षमता महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने रिकी पोंटिंग को अपना नया मुख्य कोच भी बनाया है।

वहीं पंजाब किंग्स ने पिछले सीजन के केवल दो खिलाड़ियों - गतिशील विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और भरोसेमंद ऑलराउंडर शशांक सिंह को बरकरार रखते हुए पूरी टीम को ही बदला है। इस बार फ्रैंचाइज़ी ने एक संतुलित टीम तैयार की है, जिसमें विस्फोटक बल्लेबाजी के साथ-साथ शक्तिशाली गेंदबाजी संसाधनों का मिश्रण है।

पंजाब किंग्स का इतिहास

पंजाब ने आईपीएल के पहले सीज़न में शानदार शुरुआत की थी, लेकिन अपनी कोर टीम में स्थिरता की कमी के कारण निरंतरता के साथ संघर्ष किया। अक्टूबर 2010 में, आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने स्वामित्व और शेयरहोल्डिंग नियमों का उल्लंघन करने के लिए पंजाब और राजस्थान रॉयल्स दोनों को निष्कासित कर दिया, लेकिन कानूनी लड़ाई के बाद, उन्हें फिर से बहाल कर दिया गया। इस अनिश्चितता ने पंजाब की 2011 की नीलामी रणनीति को बाधित कर दिया, जिससे उनके पास कोई भी रिटेन खिलाड़ी नहीं बचा, और उनके कोच माइकल बेवन को घटना से कुछ दिन पहले ही नियुक्त किया गया था।

तीन और औसत सीज़न के बाद, उन्होंने 2014 की नीलामी में एक सफलता हासिल की, कोच संजय बांगर के नेतृत्व में एक होनहार टीम तैयार की।

17 सालों से खिताब के लिए तरसती आरसीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, जिसे पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के नाम से जाना जाता था, जिसे आम तौर पर ऋष्क के नाम से जाना जाता है, यह बेंगलुरु, कर्नाटक में स्थित एक पेशेवर फ्रैंचाइज़ क्रिकेट टीम है, जो इंडियन प्रीमियर लीग में भाग लेती है। यूनाइटेड स्पिरिट्स द्वारा 2008 में स्थापित, इस टीम का नाम शराब ब्रांड, रॉयल चैलेंज के नाम पर रखा गया है। बेंगलुरु में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम उनका घरेलू मैदान है। 2024 तक, टीम की कप्तानी फाफ डु प्लेसिस कर रहे थे और एंडी फ्लावर इसके कोच हैं। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स तीन मौकों पर 2009, 2011 और 2016 में उपविजेता रहे हैं और नौ सत्रों में प्लेऑफ़ के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। फ्रैंचाइज़ी ने चैंपियंस लीग ट्वेंटी 20 में भाग लिया है, 2011 सीज़न में उपविजेता के रूप में समाप्त हुआ।2024 तक, आरसीबी का मूल्य .117 मिलियन था, जो उन्हें सबसे मूल्यवान आईपीएल फ्रैंचाइज़ी में से एक बनाता है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नाम दो आईपीएल रिकॉर्ड भी

हैं, एक पारी में सबसे कम स्कोर (49, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ) और एक पारी में सबसे ज्यादा स्कोर (287, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ) देने का।

सितंबर 2007 में, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग की स्थापना की घोषणा की, जो 2008 में शुरू होने वाली एक ट्वेंटी-20 प्रतियोगिता है। 24 जनवरी 2008 को, लीग की टीमों के लिए मुंबई में एक नीलामी आयोजित की गई, जिसमें बेंगलुरु सहित भारत के आठ अलग-अलग शहरों का प्रतिनिधित्व किया गया। बैंगलोर फ्रैंचाइज़ी को विजय माल्या ने $11.6 मिलियन में खरीदा, जो दूसरी सबसे ऊंची बोली थी, जो मुंबई इंडियंस के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज की $11.9 मिलियन की बोली से थोड़ी कम थी। 2009 में भारत में आम चुनावों के कारण, टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया गया था। पीटरसन को कप्तान बनाया गया था, लेकिन शुरुआती हार के बाद, जब पीटरसन राष्ट्रीय कर्तव्य के लिए चले गए तो अनिल कुंबले ने कप्तानी संभाली। कुंबले के नेतृत्व में आरसीबी का प्रदर्शन बेहतर हुआ, उन्होंने अपने आखिरी आठ मैचों में से छह जीतकर लीग तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया। 2010 में, कुंबले की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स ने 14 मैचों में सात जीत हासिल की और 14 अंक अर्जित किए। प्लेऑफ़ स्थान के लिए तीन अन्य टीमों के साथ बराबरी पर, उनके बेहतर नेट रन रेट ने उन्हें सेमीफाइनल के लिए योग्य बनाया। सेमीफाइनल में, उन्हें टेबल-टॉपर्स, मुंबई इंडियंस ने 35 रनों से हराया। हालांकि, रॉयल चैलेंजर्स ने तीसरे स्थान के प्लेऑफ़ में गत विजेता डेक्कन चार्जर्स पर नौ विकेट से जीत हासिल की, इस प्रकार 2010 चैंपियंस लीग ट्वेंटी 20 के लिए क्वालीफाई किया। कुंबले ने चैंपियंस लीग के समापन पर संन्यास ले लिया, उस वर्ष टीम को आईपीएल और सीएलटी20 दोनों के सेमीफाइनल में पहुंचाया।

8 जनवरी 2011 रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर आईपीएल में उपविजेता रहने के बाद 2011 चैंपियंस लीग ट्वेंटी 20 सेमीफाइनल में पहुंच गई। उन्होंने अपना अंतिम ग्रुप मैच आखिरी गेंद पर सदर्न रेडबैक के खिलाफ जीता और सेमीफाइनल में न्यू साउथ वेल्स ब्लूज़ को हराया।

आरटीओ की लापरवाही से मनमानी पर उतारू हुए बस संचालक

सड़कों पर धड़ल्ले से चल रही बिना परमिट खटारा बसें, जान जोखिम में डालकर यात्रा कर रहे लोग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा से मैहर और सतना तथा चाकघाट और मऊगंज के बीच में चलने वाली कई यात्री बसें इन दिनों आरटीओ साहब की मेहरबानी से संचालित हो रही हैं क्योंकि आरटीओ विभाग की लापरवाही के कारण न तो इन बसों की परमिट चेक की जाती है और ना ही चलने लायक उनके हालात ऐसे में बस ऑपरेटर अपना मनमानी रवैया दिखाते हुए सड़कों पर खटारा बसों को दौड़ा रहे हैं। जिसके कारण चाकघाट, मऊगंज, और सतना तथा मैहर को जाने वाली ज्यादातर बसें ऐसी हैं जो 15 वर्ष पुरानी हो चुकी हैं तो वहीं कुछ 15 वर्ष पूरी होने की कगार पर हैं। इन बसों से यात्रा मतलब यात्रियों की जान जोखिम में डालना है। वहीं सर्वाधिक मनमानी कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर हो रही है। गांव या फिर कम ट्रैफिक वाले रूट पर चलने वाली अधिकांश बसों की कंडीशन ऐसी हो गई है कि न तो इनके इंडीकेटर, ब्रेक लाइट जलती और न ही खिड़की-दरवाजे सलामत हैं। डेंट-पेंट भी उधड़ गया है। खिड़कियों के अधिकांश कांच टूट गए हैं। बड़ी बात तो यह है कि किराया वसूलने में ये लोग कोई कसर नहीं छोड़ते, लेकिन जब बात बसों की मरम्मत की आती है तो कतराते रहते हैं। जिससे यह बसें जब सवारी बैठाकर सड़कों पर दौड़ती हैं तो कलपुर्जे तक हिलते हैं।

बताया जा रहा है कि रीवा में लगभग 500 यात्री बसें ऑन रोड हैं। इनमें से टैक्स बकाया होने, परमिट और फिटनेस न होने, मेंटीनेंस न कराने समेत अन्य वजहों से दर्जन भर से अधिक बसें अनफिट की श्रेणी में रखी गई हैं। बावजूद इसके वही बसें सड़कों पर तेजी के साथ दौड़ रही हैं।

ट्रैकिंग डिवाइस का पता ही नहीं: इसके साथ ही यात्रा के दौरान यात्रियों को जरूरत पड़ने पर तत्काल पुलिस सहायता के साथ बस की लोकेशन आसानी से ट्रैक की जा सके, इसके लिए यात्री वाहनों में लगाई गई वीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस भी सिर्फ दिखावे के लिए रह गई है। अगर ये बटन सही तरीके से काम करे तो बटन दबाने के बाद पुलिस कंट्रोल रूम में मैसेज जाता है।

बसों से गायब है किराया सूची: आपको बता दें परिवहन विभाग समय-समय पर अभियान चलाकर यात्री बसों में किराया सूची लगाता है, लेकिन अधिक पैसे वसूलने के चक्कर में बस परिचालक किराया सूची फाड़ देते हैं। इतना ही नहीं बस चालक-परिचालकों को नीली वर्दी पहनना भी अनिवार्य किया गया है, लेकिन कितने लोग वर्दी पहनते हैं यह बात किसी से छिपी नहीं है।

समय समय पर हमारे द्वारा वाहनों की चेकिंग की जाती है और उनपर कार्यवाही भी करते हैं वर्तमान में ऐसी कोई बसें हमें सड़कों पर दौड़ते नहीं दिखाई दी जो खटारा हो और अगर आगे जानकारी में आता है तो निश्चित ही हम उनपर कार्यवाही करेंगे।
मनीष त्रिपाठी, आरटीओ रीवा

ग्रामीण पर्यटन और सामुदायिक विकास से अवगत हुए छात्र

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। टीआरएस कॉलेज के समाज कार्य विभाग द्वारा आईक्यूएसी फ्लैगशिप स्कीम "चेतना" के अंतर्गत प्राचार्य डॉ अर्पिता अवस्थी के निर्देशन में छात्रों के लिए अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीण पर्यटन और सामुदायिक विकास के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना था। यह कार्यक्रम समाज कार्य विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने क्षेत्रीय विकास परियोजनाओं का अध्ययन किया।

अध्ययन भ्रमण के दौरान, छात्रों ने सेमरिया विकास खंड के विभिन्न गांवों जैसे पूर्वा, बोदहा, और ग्राम बरुआ (बांका) का भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों को सामुदायिक होम स्टे परियोजना से संबंधित जानकारी मिली, जिसे मध्य प्रदेश ग्रामीण पर्यटन विकास विभाग के सहयोग से स्थापित किया गया है। छात्रों ने इस प्रोजेक्ट के तहत विकसित किए गए पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों और उनके स्थानीय समुदायों पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव को समझा। इस भ्रमण के दौरान, छात्रों ने पुरबा जलप्रपात, बसामन मामा गो अभ्यारण, गैवी नाथ मंदिर बिरसिंहपुर, धारकुंडी और सरभंगा आश्रम का भ्रमण किया। छात्रों ने प्रसिद्ध पुरबा जलप्रपात की सुंदरता का आनंद लिया और जल स्रोतों के महत्व को समझा। यह जलप्रपात न केवल एक पर्यटन स्थल है, बल्कि ग्रामीण जल प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के विषय में भी छात्रों को जानकारी मिली। बसामन मामा गो अभ्यारण का दौरा करते हुए छात्रों ने वन्यजीव संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को समझा। यहां, छात्रों को वन्यजीवों की संरक्षण परियोजनाओं के बारे में बताया गया और उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि कैसे यह अभ्यारण स्थानीय जैव विविधता को बनाए रखने में मदद करता है।ऐतिहासिक गैवी नाथ मंदिर बिरसिंहपुर मंदिर के दर्शन करते हुए, छात्रों ने धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर के महत्व को महसूस किया। नाथ पंथ से जुड़ी परंपराओं और मंदिर के ऐतिहासिक पहलुओं के बारे में छात्रों को जानकारी प्राप्त हुई। धारकुंडी और सरभंगा आश्रम में छात्रों ने ध्यान और साधना के महत्व को समझा। यहां के संतों और साधकों के जीवन से छात्रों ने आत्मविकास और मानसिक शांति की महत्वपूर्ण बातें सीखी। इस अध्ययन भ्रमण ने छात्रों को न केवल ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी, बल्कि उन्हें हमारे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर के महत्व को भी समझने का अवसर प्रदान किया।

विधानसभा सदन में शुरू हुई फर्जी मुकदमों पर चर्चा, कांग्रेस विधायक ने खोला चोरहटा थाने का चिट्ठा

सेमरिया विधायक और उनके बेटे पर एफआईआर दर्ज करने वाले टी आई का जारी हुआ सस्पेंशन ऑर्डर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। 2 वर्ष पूर्व सेमरिया विधानसभा क्षेत्र में बनी रीवा गोदहा मार्ग के विवाद ने अब नया रूप ले लिया है जिसके चलते पूर्व में चोरहटा थाने में पदस्थ थाना इंचार्ज अवनीश पाण्डेय को सस्पेंड कर दिया गया है। मध्य प्रदेश विधानसभा सदन में उठे इस सड़क के मुद्दे में कांग्रेस के सेमरिया विधायक अभय मिश्रा ने अपने और अपने बेटे के खिलाफ चोरहटा थाने में पदस्थ तत्कालीन थाना प्रभारी अवनीश पाण्डेय पर फर्जी मुकदमा दर्ज करने का आरोप लगाया गया इस दौरान सत्र में कई अन्य विधायकों ने भी अपने अपने क्षेत्र में दर्ज हुए फर्जी मुकदमों का जिक्र कर दिया फिर क्या सदन से ही उन सभी को हटाने की बात कह दी गई जिसके बाद रीवा एसपी विवेक सिंह एक्शन लेते हुए तत्कालीन चोरहटा थाना प्रभारी को सस्पेंड कर दिया।

दरअसल सेमरिया विधानसभा क्षेत्र में रीवा से गोदहा के लिए 2 वर्ष पूर्व सड़क निर्माण का कार्य कराया गया था जिसमें वहां के वर्तमान कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा की कंपनी ने ठेका लेकर सड़क निर्माण का काम पूरा किया। इस दौरान सड़क निर्माण के वक्त ही उक्त मार्ग के निर्माण के समय कई सड़क हादसे हुए जिसके चलते राजनीतिक दबाव बढ़ता गया और अंततः एक हादसे पर उस समय चोरहटा थाने में पदस्थ थाना प्रभारी अवनीश पाण्डेय ने राजनीति के कारण अभय मिश्रा और उनके बेटे के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया था जिसके बाद अब इस मुद्दे को कांग्रेस विधायक ने सदन में प्रस्तुत कर दिया जिसपर मुद्दे के खुलते ही सदन में हंगामा हो गया और थाना प्रभारी अवनीश पाण्डेय को सस्पेंड करने का हुक्म जारी कर दिया गया।

मिनर्वा द मेडिसिटी, महिला के इलाज पर लाखों की ठगी का आरोप, परिजनों ने किया हंगामा

24 घंटे में 4 लाख दिया तब भी नहीं हो पाया सटीक उपचार, संजय गांधी से लाए फिर एसजीएमच में ही कराया भर्ती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मिनर्वा द मेडिसिटी अस्पताल का रीवा शहर में जब संचालन शुरू किया गया था तब यहां के मरीजों को सस्ते दाम में मेडिकल सीटी नागपुर से भी अच्छा ट्रीटमेंट देने का दावा किया गया था मगर सस्ते दाम की तो बात ही छोड़िए अब यह अस्पताल लोगों को सामान्य इलाज देने के काबिल भी नहीं रहा तथा अस्पताल नॉर्मल बीमारी लेकर अस्पताल पहुंचे लोग भी यहां से लूटकर बाहर जाते हैं और फिर दोबारा दूसरे अस्पतालों में अपना इलाज कराते हैं। बावजूद इसके लोगों से बेमतलब की लूट करने के बाद भी शहर के तेज गति के साथ अस्पताल का संचालन सुचारु रूप से जारी है तथा स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अफसर अस्पताल के मनमाना रवैए के प्रति अंकुश लगाने में नाकामयाब है। जिसकी वजह से मिनर्वा अस्पताल में इलाज कराने पहुंच रहे लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती ही जाती है।

मिनर्वा हॉस्पिटल में मनमाना वसूली का ताजा मामला शुक्रवार को फिर उजागर हुआ है जहां बैकुंठपुर की रहने वाली एक महिला को सड़क हादसे के बाद इस अस्पताल में भर्ती कराया गया परन्तु 24 घंटे में 4 लाख रुपए ऐंठने के बाद भी अस्पताल प्रबंधन सटीक ढंग से महिला का उपचार नहीं कर पाया जिससे बाद में उसे संजय गांधी अस्पताल में पुनः भर्ती किया गया है।

बताया जा रहा है कि सड़क हादसे में घायल महिला को पहले तो लोगों ने संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया था मगर परिवारजनों ने सोचा कि निजी अस्पताल में अच्छा उपचार होगा जिसके कारण उसे मिनर्वा द मेडिसिटी में भर्ती कराने पहुंचे और भर्ती कराने के साथ ही किश्तों में करीब 4 लाख रुपए 24 घंटे के भीतर ही दिया मगर फिर भी महिला की हालत में कोई सुधार नहीं हो पाया और अस्पताल प्रबंधन ने इलाज करने को लेकर अपने हाथ खड़े कर लिए जिसपर महिला के परिवारजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया।

परिवारजनों का कहना है कि मिनर्वा अस्पताल में भर्ती कराने के पहले ही उन्हें महिला की हालत ठीक नहीं लगी फिर भी उन्होंने सोचा कि शायद सही इलाज मिल जाए तो महिला की जान बच सके जिसकी खातिर उन्होंने निजी अस्पताल मिनर्वा में महिला को भर्ती करा दिया मगर वहां 24 घंटे में 4 लाख रुपए का उपचार होने के बाद भी जब महिला की हालत में कोई सुधार नहीं आया तो वह महिला को अस्पताल से डिस्चार्ज कराने लगे इस दौरान इलाज की राशि देने को अस्पताल प्रबंधन ने कह दिया जिसके चलते अस्पताल में घंटों तक परिवार के लोगों ने हंगामा किया और बाद में महिला को फिर संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां अब उसका इलाज जारी है।

रीवा के चार पुलिस अधिकारियों को मिली नई ज़िम्मेदारियां

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज की घटना के बाद अब रीवा में पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों को उनके मौजूदा प्रभार के साथ अतिरिक्त ज़िम्मेदारियां सौंपी हैं। ये क़दम पुलिस की कार्यशैली में और अधिक कसावट लाने के उद्देश्य से उठाया गया है। नई व्यवस्था के तहत सी एसपी डॉ. रितु उपाध्याय को महिला सुरक्षा शाखा का दायित्व दिया गया है। वहीं सीएसपी शिवाली चतुर्वेदी को एस डीओपी अजाक की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है। डी एसपी हेडक्वार्टर हिमाली पाठक को डी एसपी यातायात का अतिरिक्त प्रभार मिला है। साथ ही, सिरमौर विभाग के एसडी ओपी उमेश प्रजापति को एसडी ओपी मनगवां का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

स्कूटी सवार युवती ने वृद्ध को मारी टक्कर, एक पांव हुआ फ्रैक्चर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के समान थाना क्षेत्र अंतर्गत [16] बजरंग नगर गेट के पास एक अज्ञात स्कूटी सवार युवती ने पैदल चला रहे वृद्ध को टक्कर मार दी, जिससे वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका एक पांव भी टूट गया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना के संबंध में अविनाश कुमार तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि घायल राम बहोर साकेत उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम उमरी थाना रायपुर कर चुलियान कुछ सामान खरीदने पैदल जा रहे थे, इसी दौरान बजरंग नगर गेट के सामने स्कूटी सवार अज्ञात युवती ने राम बोहोर को टक्कर मार दी जिससे वह सड़क पर जा गिरे और उनका एक पांव फैक्चर हो गया। घटना के बाद स्कूटी सहित युवती मौके से फरार हो गई। वहीं घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर स्कूटी सवार अज्ञात युवती की तलाश शुरू कर दी है।

शहर के 50 युवाओं को दिया गया डेंगू मलेरिया उन्मूलन का प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संचारी रोगों से बचाव के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मलेरिया और डेंगू के बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ-साथ रीवा शहर में मलेरिया और डेंगू रोधी दस्ता गठित किया गया है। इसमें शामिल 50 युवाओं को डेंगू और मलेरिया के नियंत्रण तथा उन्मूलन का दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। युवाओं को जिला मलेरिया कार्यालय की ओर से शाखा द्विवेदी तथा दिवाकर मिश्रा द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। युवाओं को एम्बेड परियोजना की क्षेत्रीय समन्वयक कंचन सिंह तथा मास्टर ट्रेनर दिव्यांश पाण्डेय द्वारा भी प्रशिक्षण दिया गया।

विद्युत कर्मियों की सजगता से बची विद्युत लाइन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की 132 के.व्ही. रीवा (जेपी - अल्ट्राटेक) बघवार लाइन के छुहिया घाटी स्थित टावरों से चोरी हुये पार्ट्स (एंगल) का एम.पी. ट्रांसको की ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स टीम ने समय पर पता लगा लिया। टीम की इस सजगता और सतर्कता के कारण समय रहते क्षेत्र में लंबे विद्युत व्यवधान के साथ घने जंगल में भीषण आग लगने की आशंका को टाला जा सका। यह लाइन न केवल सीमेंट प्लांट को विद्युत आपूर्ति करती है, बल्कि इससे सिल्पारा 220 के.व्ही. सबस्टेशन रीवा को भी विद्युत मिलती है।

उल्लेखनीय है कि विगत कई माह से इस लाइन के टावर पार्ट्स की चोरी हो रही थी। जिसके कारण उक्त लाइन के क्षतिग्रस्त होने की नौबत आ गई थी, यदि समय पर इन चोरी किये गये टावरों के पार्ट्स के स्थान पर नये पार्ट्स नही लगाये गये होते तो बघवार, पिपरावॅ, सरदा, मलगॉव, पटना, धौरहरा क्षेत्र के अनेक गांव के निवासियों को महीनों बिना बिजली के रहना पड़ सकता था। साथ ही घने जंगलों से गुजरने वाली यह लाइन क्षतिग्रस्त होने पर वृक्षों पर गिरती तो न केवल जंगल में आग लगने का निश्चित खतरा रहता बल्कि इससे बड़े क्षेत्र में जनधन हानि की आंशका पैदा हो जाती। चूंकि इस लाइन के नीचे से अनेक 33 एवं 11 के.व्ही. की लाइने भी गुजरती है जिसके कारण यह लाइनें भी क्षतिग्रस्त होती, जिससे बडे इलाके में लंबे समय तक विद्युत व्यवधान हो सकता था।

ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स की टीम द्वारा उक्त लाइन की लगातार रात्रिकालीन पेट्रोलिंग कराई गई, साथ ही घाटी के आसपास के क्षेत्र में टावर पार्ट्स की तलाशी भी की गई। एम.पी. ट्रांसको के कार्मिकों द्वारा लाइन पेट्रोलिंग एवं निरीक्षण के दौरान कुछ टावर पार्ट्स स्थानीय कबाड़ की दुकानों में पाये गये जिसकी सूचना तत्काल चौकी प्रभारी, पुलिस चौकी पिपरावॅ जिला सीधी को दी गई एवं पुलिस टीम के साथ जाकर कई स्थानों से टावर पार्ट्स बरामद किये गये। इसी तरह 132 के.व्ही. रीवा- (जेपी - अल्ट्राटेक) बघवार लाइन से चोरी कर घरों एवं दुकानों में लगाये गये दो दर्जन से अधिक टावर पार्ट्स को भी पुलिस एवं लाइन स्टाफ की मदद से निकलवाया गया। अभियंतागण अमित कुमार एवं अजय कुमार चौरसिया द्वारा पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जिला प्रशासन के सहयोग से प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

नवागत एसपी-कलेक्टर पहुंचे गड़रा गांव, घटनास्थल का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज के शाहपुर थाना क्षेत्र में हुई हिंसक घटना में अब तक 34 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। जिसमें से 11 आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जिनमें से तीन नाबालिक हैं, जिन्हें बाल संप्रेषण गृह भेजा गया है। घटना को लेकर गांव में अभी भी तनाव है। पुलिस की मौजूदगी घटना स्थल और मृतक के घर पर बनी हुई है। इस घटनाक्रम की जांच के लिए कई पुलिस अधिकारियों को लगाया गया है। इस बीच नवागत कलेक्टर संजय कुमार जैन और एसपी दिलीप सोनी ने जिला पंचायत सीईओ मेहताब सिंह गुर्जर के साथ घटना स्थल का जायजा लिया, जहां पर आदिवासी बस्ती में पुलिसकर्मियों से मारपीट कर एएसआई पर हमला किया गया था। इस दौरान सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया है कि संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ करें और सही जानकारी ना दें तो उन्हें हिरासत में लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करें। इसके बाद सभी अधिकारी मृतक सनी द्विवेदी के घर पहुंचे जहां मृतक के पिता से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि इस मामले में पूरी निष्पक्षता के साथ जांच की जाएगी। कोई भी दोषी नहीं बचेगा चाहे वह कितना भी प्रभावशाली हो।

निर्माणाधीन सीएम राईज विद्यालय भवनों का कार्य तत्परता से पूर्ण कराने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिले में निर्माणाधीन सीएम राईज विद्यालय भवनों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि तत्परता पूर्वक कार्य को गति देते हुए समय सीमा में सभी कार्य पूर्ण करें। उन्होंने निर्देशित किया कि संबंधित एसडीएम समन्वय बनाकर आने वाली भूमि संबंधी रूकावटों को दूर करायें। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने मनगवां में निर्माणाधीन सीएम राईज भवन की अद्यत स्थिति की जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि जून 2025 तक कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। त्योंथर में भवन कार्य फिनिशिंग स्तर पर है।

कलेक्टर ने रघुराजगढ़ के भवन के पूर्व के डिमार्केशन को यथावत रखने तथा आसपास के अतिक्रमण को हटाकर अवरोध दूर करायें। उन्होंने रायपुर कर्चुलियान भवन के प्रवेश मार्ग के अवरोध को निराकृत कराकर सेमरिया व सिरमौर में विद्यालय भवन कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को मिला "कर्मवीर योद्धा सम्मान"

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण के दौर में अपनी [22] जान जोखिम में डालकर ड्यूटी करने वाले पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों को कर्मवीर योद्धा सम्मान दिया गया है।

ग्रह विभाग से आदेश जारी होने के बाद रीवा की पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह व एएसपी अनिल सोनकर और विवेक लाल की उपस्थिति में प्रशस्ति पत्र दिया गया। बता दें कि पूर्व में पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को

कर्मवीर योद्धा पदक से सम्मानित करने के लिए गृह विभाग द्वारा आदेश जारी किए गए थे।

यह पुरस्कार कोरोना की पहली लहर के दौरान काम करने के लिए दिया गया। जिसमें अधिकारी से लेकर आरक्षक तक पुरस्कृत हुए हैं। बता दें कि कोरोना की पहली लहर के दौरान 2020 में मार्च से जून माह के बीच जो अफसर ड्यूटी में पदस्थ रहे उन सभी को यह पदक दिया गया। पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को पदक के साथ प्रशस्ति पत्र भी दिया गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।